राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,१अप्रैल २०२१ वर्ष-४, अंक -६७ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राज्यसभा की तीन सीटों पर चुनाव के लिए पांच अप्रैल तक देंगे जानकारी-आयोग

कोच्चि। चुनाव आयोग ने केरल हाई कोर्ट को बताया कि राज्य की मौजूदा विधानसभा के रहते राज्यसभा की तीन सीटों के लिए चुनाव कराने के बारे में पांच अप्रैल तक अपने रुख की जानकारी देंगे। आयोग ने कहा कि राज्यसभा में राज्य से तीन सीटें भरने के लिए 14वीं केरल विधानसभा के कार्यकाल के

दौरान चुनाव कराए जाएंगे। आयोग के वकील के आग्रह पर विचार करने के बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई पांच अप्रैल तय कर दी। सोमवार को चुनाव आयोग ने हाई कोर्ट को सूचित किया था कि तीन राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी।

बता दें कि कोर्ट ने चुनाव आयोग को इस संबंध में लिखित बयान सौंपने को कहा था। चुनाव आयोग ने राज्य विधानसभा और सत्ताधारी माकपा की ओर से दाखिल याचिका पर यह दलील सौंपी है। माकपा ने तीन सीटों के लिए चुनाव प्रक्रिया टालने के आयोग के फैसले को चुनौती दी है। बता दें कि केरल विधानसभा चुनाव 6 अप्रैल को सिर्फ एक चरण में होंगे और चुनाव परिणाम 2 मई को घोषित होंगे। 140 सीटों के लिए होने जा रहे इन चुनावों के लिए मुख्य मुकाबला सीपीआई-एम के नेतृत्व वाले सत्तासीन गठबंधन एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन यूडीएफ के बीच है। राज्य के वर्तमान मुख्यमंत्री पी विजयन पिछले 5 सालों से राज्य की सत्ता पर काबिज हैं। प्रमुख राजनीतिक दलों के बड़े नेता राज्य के विभिन्न हिस्सों में धुआंधार चुनाव प्रचार कर रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में एलडीएफ को 91 सीटें, यूपीए को 47 सीटें और भाजपा को एक सीट मिली थी।

...तो बीजेपी को मिल गया बंगाल में सीएम का चेहरा?

दिलीप घोष के बयान के बाद अटकलें तेज

कोलकाता। अगर बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन जाती है तो राज्य का मुख्यमंत्री कौन बनेगा? इसपर अटकलें लगातार जारी हैं और इस बीच राज्य में बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप घोष ने एक बयान देकर यह संकेत दे दिया है कि सीएम चेहरे के लिए बीजेपी की तलाश पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा है कि बंगाल में अगर बीजेपी सत्ता में आती है तो मुख्यमंत्री उसे बनाया जाएगा जो चुनाव नहीं लड़ रहा है। घोष के इस बयान के बाद से ही यह अटकलें तेज हो गई हैं कि बीजेपी उन्हें ही तो राज्य का सीएम नहीं बनाएगी।

घोष ने कहा, यह फैसला पार्टी करेगी लेकिन जरूरी नहीं कि किसी विधायक को मुख्यमंत्री बनाया जाए... जब ममता जी मुख्यमंत्री बनी थीं तब वह विधायक नहीं थीं।

बता दें कि साल 2011 में

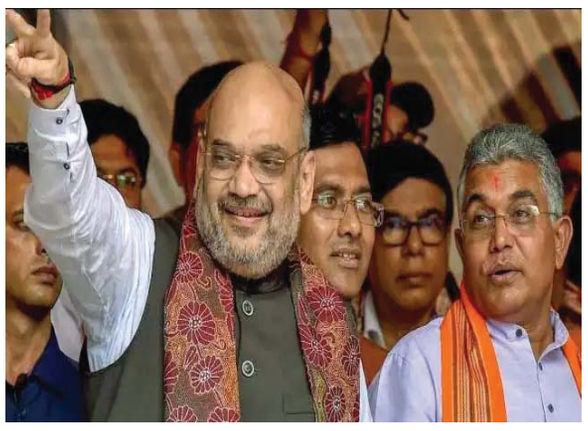

जब ममता बनर्जी ने लेफ्ट फ्रंट की सरकार को शिकस्त दी थी तब वह लोकसभा सांसद थीं। चुनाव बाद वह भवानीपुर सीट से लड़ीं। उस सीट पर उपचुनाव होना था।

घोष ने कहा, पहले चरण के मतदान के बाद सिर्फ बीजेपी ही अपनी जीत को लेकर आश्वस्त है। तृणमूल कांग्रेस और उसके नेता परेशान हैं। जैसे-जैसे चुनाव आगे बढ़ेगा तृणमूल कार्यकर्ताओं को अपनी हार का एहसास होता जाएगा।

यह बयान के बाद तुरंत यह अटकलें जोर पकड़ने लगी हैं कि बंगाल में अगर बीजेपी जीतती है तो घोष ही अगले मुख्यमंत्री बन सकते हैं। दरअसल, एक मात्र घोष ही ऐसा जाना-पहचाना चेहरा हैं जो कि मिदनापुर से लोकसभा सांसद भी हैं और जो बंगाल चुनाव नहीं लड़ रहे हैं।

बीजेपी ने बंगाल विधानसभा चुनावों में अपने चार लोकसभा और राज्यसभा सांसदों को टिकट दिया है। इनमें केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो और राज्यसभा सदस्य स्वपन दासगुप्ता भी शामिल हैं, जिन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए राज्यसभा से इस्तीफा दिया है।

पीएम मोदी ने भी की थी तारीफ-पीएम मोदी ने भी राज्य में चुनाव प्रचार के दौरान खड़गपुर की रैली में दिलीप घोष की जमकर तारीफ की थी। तभी से इस बात की चर्चा है कि दिलीप घोष ही बीजेपी के लिए बंगाल में सीएम का चेहरा हो सकते हैं। पीएम मोदी ने रैली के दौरान कहा था, मैं निश्चिंत हूं कि बंगाल में हमारी सरकार आने जा रही है। यह गर्व की बात है कि हमारे पास दिलीप घोष जैसे नेता हैं। दिलीप घोष न चैन से सोए हैं और न दीदी की धमकियों से डरे हैं। उन पर अनेक हमले हुए हैं। मौत के घाट उतारने की कोशिश हुई लेकिन वह बंगाल के उज्ज्वल भविष्य का प्रण लेकर चल पड़े और आज पूरे बंगाल में नई ऊर्जा भर रहे हैं।

ऑपरेशन के बाद एनसीपी चीफ शरद पवार की हालत में सुधार: स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के चीफ शरद पवार की मंगलवार रात मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में सर्जरी हुई। उनके पित्ताशय यानी गॉल ब्लैडर में से पथरी निकाली गई। ऑपरेशन के बाद महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री और एनसीपी नेता राजेश टोपे ने बताया कि शरद पवार की स्थिति में सुधार है। राजेश टोपे ने बताया, 'ऑपरेशन के बाद शरद पवार जी की स्थिति बेहतर है। उनके पित्ताशय से सफलतापूर्वक पथरी निकाल दी गई है।' इससे पहले डॉक्टर अमित मेयदो ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया था, 'कुछ टेस्ट्स के बाद हमने उनका ऑपरेशन आज ही करने का फैसला लिया। उनके पित्ताशय को हटाने को लेकर हम बाद में फैसला लेंगे। अभी वह ऑब्जर्वेशन में हैं।' इस बीच बुधवार सुबह शरद पवार की बेटी और एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने ट्विटर पर अपने पिता का इलाज करने वाले डॉक्टरों को शुक्रिया कहा। उन्होंने डॉक्टरों के साथ एक तस्वीर भी ट्वीट की। बता दें कि शरद पवार को रविवार को पेट में दर्द की शिकायत के बाद जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया और जांच रिपोर्ट में पता चला कि उनके पित्ताशय में समस्या है। एनसीपी नेता नवाब मलिक ने बताया कि पवार को उनके पूर्व निर्धारित ऑपरेशन से एक दिन पहले, मंगलवार को पेट में दर्द की शिकायत की वजह से एक अस्पताल में भर्ती कराया गया।

भाजपा आज घोषित कर सकती है पहले व दूसरे चरण के प्रत्याशियों की सूची

लखनऊ। पंचायत चुनाव में पहले और दूसरे चरण की जिला पंचायत सदस्य सीटों के प्रत्याशियों की सूची पर प्रदेश भाजपा मुख्यालय पर अहम बैठक 1 अप्रैल (गुरुवार) को होगी। इस बैठक के बाद इन दोनों चरणों के प्रत्याशियों की सूची जारी कर दिए जाने की उम्मीद है। बैठक में भाजपा के सभी क्षेत्रीय अध्यक्ष अपने क्षेत्र के प्रत्याशियों की सूची के साथ हाजिर होंगे।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल, पंचायत चुनाव के प्रदेश प्रभारी विजय बहादुर पाठक के साथ ही प्रदेश के पदाधिकारी और क्षेत्रीय अध्यक्ष शामिल होंगे। क्षेत्रीय अध्यक्ष क्षेत्र की पहले व दूसरे चरण की जिला पंचायत सदस्यों की सीटों के लिए तय प्रत्याशियों की सूची प्रस्तुत करेंगे। प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा के बाद प्रदेश कमेटी इस सूची को अनुमोदित करेगी। यदि किसी सीट पर कोई मतभेद होगा तो उसका समाधान किया जाएगा। प्रदेश मुख्यालय पर होने वाली इस बैठक के लिए मंगलवार को क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रत्याशियों की सूची को फाइनल करने में जुटे हुए थे।

भाजपा पंचायत चुनाव के प्रदेश प्रभारी विजय बहादुर पाठक का कहना है कि चरणबद्ध तरीके का कार्यक्रम आयोग ने घोषित किया है। प्रत्याशियों के

चयन का काम चल रहा है। पार्टी मजबूती के साथ पंचायत चुनाव लड़ने जा रही है। गौरतलब है कि पहले चरण की सीटों के लिए नामांकन की प्रक्रिया तीन अप्रैल से और मतदान 15 अप्रैल को है जबकि दूसरे चरण के लिए नामांकन की प्रक्रिया सात अप्रैल से और मतदान 19 अप्रैल को है।

दिल्ली में कोविड-19 नियमों का उल्लंघन करने पर 5 दिन में 18,500 चालान

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना वायरस से संबंधित नियमों के उल्लंघन को लेकर बीते पांच दिनों में 18,500 चालान काटे गए हैं और 3.18 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा चालान उत्तरी दिल्ली में काटे गए हैं, जबकि सबसे कम चालान पूर्वी दिल्ली में काटे गए। कोविड-19 प्रोटोकॉल को सख्ती से लागू करने को लेकर 11 राजस्व जिलों में 25 से 29 मार्च के बीच की गई कार्रवाई के आंकड़ों के आधार पर प्रवर्तन कार्रवाई रिपोर्ट संकलित की गई है। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने आदेश दिया था कि 29 मार्च को होली और शब-ए-बारात के मौके पर कोई भी समारोह नहीं होगा। आंकड़ों के मुताबिक, नियमों का उल्लंघन करने पर 1.66 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला जा चुका है। उसमें बताया गया है कि 25 मार्च को 4018, 26 मार्च को 3877, 27 मार्च 4034, 28 मार्च को 3834 और 29 मार्च को 2758 चालान किए गए। आंकड़ों के मुताबिक, मध्य जिले में

दिल्ली में कोरोना के 992 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 6,60,611 हो गई है। इसके अलावा चार और मरीजों की मौत के बाद मृतकों की तादाद 11,016 तक पहुंच गई है।

1413, नई दिल्ली जिले में 2577, उत्तरी जिले में 3229, उत्तर-पूर्वी दिल्ली में 941, उत्तर-पश्चिम जिले में 1209, दक्षिण जिले में 1413, दक्षिण-पूर्वी जिले में 1489, दक्षिण-पश्चिम जिले में 1961, शाहदरा जिले में 1913, पूर्वी जिले में 809 और पश्चिमी जिले में 1559 चालान किए गए हैं।

दिल्ली में कोरोना के 992 नए मामले सामने आए

दिल्ली में कोरोना के 992 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 6,60,611 हो गई है। इसके अलावा चार और मरीजों की मौत के बाद मृतकों की तादाद 11,016 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य विभाग के हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, दिल्ली में संक्रमण की दर 2.70 प्रतिशत है। अधिकारियों ने कहा कि मंगलवार को संक्रमण के मामले इसलिए कम आए हैं क्योंकि सोमवार को होली के चलते जांचें भी कम हुईं। उन्होंने कहा कि अब तक 6.42 लाख से अधिक लोग संक्रमणमुक्त हो चुके हैं। एक्टिव केस की संख्या 7,429 है, जो सोमवार को 7,545 थी। दिल्ली में सोमवार को 1904 नए मामले आए थे जो बीते साढ़े तीन महीने में एकदिनी सर्वाधिक बढ़ोतरी थी।

हवाई अड्डों पर ठीक से नहीं पहने मास्क तो देना पड़ सकता है जुर्माना

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सख्ती के संकेत दिए। सभी हवाई अड्डों से कहा कि जो यात्री सही से मास्क नहीं लगाते और सामाजिक दूरी का पालन नहीं करते उन पर पुलिस की मदद से मौके पर ही जुर्माना लगाने पर विचार करना चाहिए। डीजीसीए ने 13 मार्च को हवाई अड्डों और विमानन कंपनियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा था कि यात्री हवाई यात्रा के दौरान हर समय मास्क पहनें और सामाजिक दूरी बनाए रखें। दिशानिर्देशों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए भी कहा था। विमानन नियामक निकाय की ओर से जारी परिपत्र में कहा गया कि कुछ हवाई अड्डों की निगरानी के दौरान पता चला कि कोरोना से बचाव के उपायों का पालन संतोषजनक नहीं है। नियामक ने आगे कहा-सभी हवाई अड्डों के संचालकों से अनुरोध किया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि सभी यात्री नाक-मुंह को ढकते हुए मास्क को ठीक से पहनें

और कोविड-19 प्रोटोकॉल के अनुसार परिसर के भीतर सामाजिक दूरी के मानदंडों को बनाएं। बार-बार चेतावनी के बावजूद दिशा-निर्देश का पालन करने से इनकार करने वाले यात्रियों को विमान से उतारने को कहा कहा गया है।

भारत में टीकाकरण ने पकड़ी रफ्तार, 74 दिन के अंदर 6 करोड़ 24 लाख लोगों को लगा कोरोना टीका

नई दिल्ली। देश में कोविड-19 रोधी टीके की 6.24 करोड़ से ज्यादा खुराकें दी जा चुकी हैं। मंगलवार को ही 12,94,979 खुराकें दी गई। यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की अस्थाई रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार शाम सात बजे तक टीके की 6 करोड़ 24 लाख 8 हजार 333 खुराकें दी जा चुकी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 82 लाख 07 स्वास्थ्य कर्मियों को टीके की पहली खुराक दी गई है जबकि 52 लाख 7 हजार 368 स्वास्थ्य कर्मियों को टीके की दूसरी खुराक दी गई है। इसी तरह अग्रिम पंक्ति के 90,08,905 कर्मियों को टीके की पहली खुराक लगाई गई है जबकि 37,70,603

अग्रिम पंक्ति के कर्मियों को टीके की दूसरी खुराक दी गई है। 60 वर्ष से अधिक उम्र के 2,90,20,989 लोगों को कोविड-19 रोधी टीके की पहली खुराक दी गई है। इस आयु वर्ग के 36,899 लोगों को टीके की दूसरी खुराक दी जा चुकी है। मंत्रालय ने बताया कि गंभीर बीमारियों से पीड़ित 45-60 वर्ष की आयु के 71,58,657 लोगों को टीके की पहली खुराक और इस श्रेणी के 4905 लोगों को टीके की दूसरी खुराक दी गई है। उसने बताया कि मंगलवार शाम सात बजे तक 12,94,979 टीके की खुराकें दी गई हैं। यह राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान शुरू होने का 74वां दिन है जो 16 जनवरी को शुरू हुआ था। शाम सात बजे तक की अस्थाई रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें से 11,77,160 लाभार्थियों को टीके की पहली खुराक लगाई गई है जबकि 1,17,819 लोगों को टीके की दूसरी खुराक दी गई है।

दिल्ली में बहने लगीं धूल भरी हवाएं, 2 अप्रैल से बढ़ेगा पारा, फसल को हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली। राजस्थान की ओर से सूखी, धूल भरी हवाएं दिल्ली में बहने लगी हैं, जिससे राजधानी में हवा की गुणवत्ता और विजिबिलिटी में गिरावट आई है। मंगलवार को औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 232 (खराब श्रेणी) में दर्ज किया गया था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, पीएम 10 का कंसंट्रेशन (मोटे प्रदूषण के कण) 224 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से शाम 4 बजे तक 326 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर हो गई। रात 9 बजे पीएम 10 का कंसंट्रेशन 361.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था। सीपीसीबी के अनुसार पीएम 10 के लिए 24 घंटे का सुरक्षित मानक 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों ने कहा कि हवा की गुणवत्ता में और गिरावट आने की संभावना है, 1 अप्रैल तक शहर में तेज हवाएं चलने की संभावना है। क्षेत्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि आसमान के रंग में परिवर्तन मुख्य रूप से धूल के कारण होता है। चारों ओर मिट्टी उड़ रही है और तेज हवाएँ इस मिट्टी और धूल के कणों को बढ़ा रही हैं। लगभग 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बहने वाली पश्चिमी हवाएं भी राजस्थान से धूल ला रही हैं। ये स्थिति 1 अप्रैल तक जारी रहेगी, जिसके बाद तापमान में और वृद्धि होगी। मंगलवार दोपहर को रिलेटिव ह्यूमिडिटी केवल 16त्न से 17त्न तक रही। आईएमडी के वैज्ञानिकों के अनुसार, धूल भरी हवाएं पूरे इंडो- गैंगटिक प्लेंस क्षेत्र को प्रभावित कर रही हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश और दिल्ली के कुछ हिस्सों में सोमवार को साफ आसमान, सोलर रेडिएशन और कम हवा की

गति के कारण हीट वेव की स्थिति दर्ज की गई। लेकिन तेज हवाएं अब अधिकतम तापमान को नियंत्रण में रखने में मदद करेंगी। अधिकतम तापमान 2 अप्रैल या 3 अप्रैल से फिर से बढ़ेगा।

अचानक अधिक गर्मी की वजह:

दिल्ली में प्रादेशिक मौसम पूर्वानुमान केंद्र के निदेशक डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव बताते हैं कि कमजोर पश्चिमी विक्षोभ की वजह से इस बार लोगों को सामान्य से ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ रही है। पहले तो फरवरी महीने में जो पश्चिमी विक्षोभ आए वे कमजोर रहे। फिर मार्च के महीने में भी आए पश्चिमी विक्षोभ कमजोर रहे। इसकी वजह से उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हिमपात कम हुआ और मैदानी इलाकों में बरसात कम हुई। इसके चलते गर्मी का स्तर सामान्य से ज्यादा रहा।

गर्मी के और बढ़ने का अनुमान- मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद का कहना है कि ऊपरी वायुमंडल में चक्रवाती प्रवाह नहीं है। आसमान साफ होने से सूर्य की तेज किरण से लू का अहसास हो रहा है। अगले 24 घंटे तापमान में वृद्धि के आसार हैं। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि अप्रैल के प्रथम सप्ताह में गर्मी और ज्यादा बढ़ सकती है। स्काईमेट मौसम रिपोर्ट के अनुसार मध्य भारत में भीषण गर्मी का प्रकोप अगले 24 घंटों तक जारी रहेगा।

अचानक तेज गर्मी सेहत के लिए ठीक नहीं-बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विभव वार्ष्णेय के मुताबिक मौसम का एकाएक ये बदलाव सेहत के लिए ठीक नहीं है। विशेष रूप से बच्चों के लिए नुकसानदायक है। इस मौसम में सर्दी, जुकाम, खांसी, उल्टी-दस्त व वायरल आदि संक्रामक बीमारियों की चपेट में बच्चे आ सकते हैं। खानपान में भी सावधानी बरतने की जरूरत है।

फसल को हो सकता है नुकसान- कृषि वैज्ञानिक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि तेज गर्मी की वजह से गेहूं व सरसों की फसलों को नुकसान हो सकता है। चटख धूप होने से खेतों से नमी तेजी से कम होती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

टीकाकरण पर जोर दें

देश के कुछ राज्यों में कोविड-19 की नई लहर के गंभीर रूप लेते ही कई सख्त पाबंदियां फिर से लौट आई हैं, तो वहीं दूसरी तरफ, ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि किसी-किसी राज्य में कोरोना की पर्याप्त जांच नहीं हो रही, और कहीं-कहीं अस्पतालों में बेड की कमी पड़ गई है। कल ही महाराष्ट्र के नागपुर के सरकारी अस्पताल की एक तस्वीर मीडिया में वायरल हुई थी, जिसमें एक ही बेड पर दो कोरोना मरीज लेटे हुए थे। दिल्ली में भी कुछ निजी अस्पतालों में आईसीयू के कम पड़ जाने के समाचार आ रहे हैं। यह स्थिति तब है, जब केंद्र समेत तमाम राज्य सरकारें कोरोना संक्रमण की नई लहर की आशंकाओं से वाकिफ थीं और वे इसे नियंत्रित करने को लेकर निरंतर सक्रिय भी रही हैं। पिछले एक साल में इसके मुतल्लिक स्वास्थ्य ढांचे में सुधार भी हुआ है, मगर कहीं न कहीं अब भी बेहतर तालमेल की जरूरत है। महाराष्ट्र में लगातार गंभीर होते हालात बता रहे हैं कि चुनौती कितनी मुश्किल है। वहां रोजाना के नए मामले 30 हजार के पार चले गए हैं। देश के कुल नए मामलों में आधा से अधिक अकेले महाराष्ट्र से सामने आ रहे हैं। कोई भी युद्ध यदि लंबा खिंच जाए, तो उसमें शामिल सेनाओं के थकने का अंदेशा गहराता जाता है। जंग में शामिल सेनाओं की एक रणनीति प्रतिपक्षी को थका डालने की भी होती है। लेकिन कोरोना से मोर्चा लेती सरकारों के पास ऐसा कोई विकल्प नहीं है, बल्कि उनकी जरा-सी उदासीनता या शिथिलता से लाभ की स्थिति में सिर्फ और सिर्फ वायरस होगा, जो न सिर्फ अलग-अलग क्षेत्रों को अपनी जद में समेटेगा, बल्कि नए-नए रूपों में भी लोगों की जान के लिए खतरा बनता रहेगा। पिछले एक साल में देश-दुनिया व इंसानियत ने कोरोना से काफी नुकसान उठाया है, इसलिए इससे लड़ाई में किसी किस्म की कोताही स्वीकार्य नहीं हो सकती। महाराष्ट्र सरकार कुछ और इलाकों में पूर्ण लॉकडाउन के विकल्प पर विचार कर रही है। लेकिन इसका कितना बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है, राज्यों के कोषागार इसकी गवाही दे रहे हैं। इसलिए पूर्ण लॉकडाउन का विकल्प अंतिम ब्रह्मास्त्र होना चाहिए। इसके बजाय, अन्य तार्किक प्रयासों की जरूरत है। दुर्योग से इसी मोर्चे पर हम लगातार पिट रहे हैं। एक तरफ तो हम सामान्य नागरिकों से मास्क पहनने और शारीरिक दूरी बरतने की अपेक्षा कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ सरकार में जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग हजारों की भीड़ को संबोधित करने को लालायित दिख रहे हैं। यही दृश्य बिहार विधानसभा चुनाव में दिखा था और यही नजारा अभी असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में दिख रहा है। ऐसे में, निचले स्तर के नागरिकों के बीच कोविड से बचाव संबंधी दिशा-निर्देश अपनी निष्पक्षता व पवित्रता की रक्षा भला कैसे कर सकते हैं? इसलिए, देश को व्यापक जांच, ज्यादा से ज्यादा 'आइसोलेशन' और तेजी से व्यापक टीकाकरण की नीति को ही अपनाना होगा। खासकर देश के जिन 10 जिलों में सबसे ज्यादा सक्रिय मामले हैं, वहां युद्ध स्तर पर जांच व टीकाकरण अभियान चलाने की जरूरत है। अमेरिका में डॉक्टरों द्वारा संक्रमण की चौथी लहर की आशंका जताने के बाद टीकाकरण के योग्यता-दायरे का विस्तार किया गया है, वहां अब रोजाना 30 लाख लोगों को खुराक मिल रही है। हमें भी 1 अप्रैल से टीकाकरण के विस्तार को प्रभावी बनाने पर जोर देना होगा।

आज के ट्वीट

सम्मान

आधी आबादी को जो राजनीतिक दल सम्मान नहीं दे सकते, उन्हें सत्ता में आने का अधिकार नहीं मिलना चाहिए।

-- योगी आदित्यनाथ

पॉलिथीन से बायो डीजल बनायें-पर्यावरण बचायें

- आर.एन. गुप्ता

देश के गांव-गलियों और शहरों में पॉलिथीन कचरे से नालियां, नाले और नदियां अवरुद्ध हो रही हैं। इतना ही नहीं, ताजा अध्ययन बता रहे हैं कि जब से प्लास्टिक कचरे का उपयोग भूमि भराव में हो रहा हैं, समुद्र तेजी से प्रदूषित होकर जलवायु परिवर्तन के लिये नया सबक बन गये हैं। मछलियां पॉलिथीन खा रही हैं, उनको पकड़कर इंसान दोबारा उनको खा रहे हैं। अर्थात पॉलिथीन वहीं वापस आ रहा है। शहरों में गाय-भैंसे पॉलिथीन थैलियां खाकर बीमार हो रही हैं, उनका प्रदूषित दूध इंसानों को भी बीमार कर रहा है। एक अध्ययन के अनुसार, पॉलिथीन कचरे को रिसाइकिल कर काली पॉलिथीन के रूप में उपयोग में लेना और भी घातक साबित हो रहा है। जिससे कैंसर जैसे रोगों की वृद्धि हो रही है। दुनिया में 6.3 बिलियन मीट्रिक टन कचरे में से 9 प्रतिशत पॉलिथीन रिसाइकिल की जा रही है। इसमें से 10 प्रतिशत को एक से अधिक बार रिसाइकिल किया जाता है। 12 प्रतिशत प्लास्टिक को इंसीनरेटर से नष्ट कर देते हैं। शेष 78 प्रतिशत प्लास्टिक कचरे को भूमि में भराव के लिये उपयोग किया जा रहा है, जिससे अन्ततः समुद्र प्रदूषित होने लगे हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, देश के अधिकांश बड़े शहरों से रोज निकलने वाले कचरे में 10 प्रतिशत मात्रा प्लास्टिक कचरे की होती है। आईआईटी खड़गपुर की एक रिपोर्ट कहती है, दिल्ली में मानसून के दौरान गुटखा व पान मसाला पाउच कचरे का पांचवां हिस्सा नालियों में जमा हो जाता है। पर्यावरण संतुलन के लिये स्थिति भयावह है। ऐसे में सभी राज्य सरकारें प्लास्टिक कचरे से भूमि भराव पर रोक लगाकर नई टेक्नोलॉजी की मदद से बायो डीजल बनाने का महाभियान प्रारंभ कर सकती है। इसके लिये शहरों से गांवों तक क्लस्टर योजना बनाई जाये। जिसमें प्लास्टिक से डीजल बनाने की छोटी ईकाइयां लगाने के लिये शिक्षित बेरोजगारों को प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के लिये प्रेरित किया जाये। इससे 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना में गांवों से शिक्षित युवाओं का पलायन भी रुकेगा। वैज्ञानिक रिसर्च बताते हैं कि पॉलिथीन पेट्रोलियम उत्पाद ही है, जिसमें कार्बन व हाइड्रोजन की मात्रा अधिक होती है। पॉलिथीन को जलाने पर कार्बन डाई ऑक्साइड पैदा होती है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो पॉलिमर से पॉलिथीन बनती है। पॉलिमर का कच्चा माल क्रूड ऑयल से निकलता है। इसे प्राकृतिक ढंग से 500 से 1000 साल तक खत्म नहीं किया जा सकता। लेकिन मौजूदा प्रचलन में भूमि में पॉलिथीन दबाने से मीथेन व ईथेन गैसें निकलती हैं, जिससे भूजल प्रदूषित हो रहा है। इतना ही नहीं, पॉलिथीन से भूमि की अम्लीयता बढ़ जाती है और उर्वरकता कम हो जाती है। इससे जमीन में परत जमा हो जाती है, जिससे भूजल नीचे जाने से रुक जाता है।

पॉलिथीन थैलियों का चलन दोगुना

प्लास्टिक अधिनियम के अनुसार, खाद्य पदार्थों के लिये उपयोगी की जाने वाली पॉलिथीन थैलियां (कैरी बेग) 50 माइक्रोन से अधिक मोटाई की नहीं होनी चाहिये। देश के अन्य राज्यों की तरह राजस्थान में भी ऐसे कैरी बेग के निर्माण, बिक्री एवं उपयोग को प्रतिबंधित किया गया है। इसके बावजूद आज शहरों से गांवों तक पॉलिथीन थैलियों का चलन दोगुना हो गया है। 15 अगस्त,2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को प्लास्टिक उत्पादों को एकबार ही उपयोग करने पर जोर दिया था। पर्यावरण संतुलन के लिये उन्होंने 2 अक्टूबर को फिर से आव्हान किया कि गांवों से शहरों तक आज जनता पॉलिथीन मुक्त वातावरण बनाने में सहयोग दे। लेकिन इसके लिये प्रभावी कार्ययोजना पर अमल करना जरूरी है।

ग्राम प्लास्टिक कचरा रोज

पर्यावरण संस्थाओं के ताजा आंकड़े देखें तो भारत में प्रति व्यक्ति रोजाना 8 ग्राम प्लास्टिक कचरा निकलता है तो हर शहर में प्रतिमाह लाखों टन के रूप में एकत्रित हो रहा है। ट्रेंचिंग ग्राउंड पर लाखों टन कचरे का वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण नहीं हो पाने से मीथेन, ईथेन व कार्बन डाई आक्साइड गैसें भूजल व पर्यावरण के लिये चुनौती बन गई हैं। वैज्ञानिक रिपोर्ट के अनुसार, बढते कार्बन उर्त्सजन के कारण प्रतिवर्ष धरती के तापमान में 0.7 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो रही है।

पुणे में रुद्रा ग्रीन फ्यूचर प्रोजेक्ट

पुणे में एनजीओ रूद्रा इन्वायरमेंटल सॉल्यूशन ने वर्ष 2009 में प्लास्टिक कचरे से डीजल बनाने के लिये 500 किलोग्राम क्षमता का प्लांट प्रारंभ किया। जिसकी थर्मो केटेलिक डिपॉलिमराइजेशन (टीसीडी) प्रक्रिया में वेस्ट प्लास्टिक मैटेरियल का उपयोग कर उपयोगी ईंधन तैयार किया जा रहा है। इसे संचालन में बिजली की आवश्यकता नहीं है क्योंकि इससे निकलने वाली सिंथेटिक गैस को एनर्जी के रूप में उपयोग करते हैं। यही प्रयोग प्रत्येक शहर में निकायों द्वारा प्रारंभ किया जा सकता है।

ऐसे बनाते हैं बायो डीजल

आईआईटी मद्रास की एक रिपोर्ट के अनुसार, डीजल बनाने के लिये पॉलिथीन कचरे को ऑक्सीजन रहित बंद चैम्बर में रखकर इसे 150 से 450 डिग्री सेल्सियस तक गर्म किया जाता है। 380 से 430 डिग्री ताप पर वाष्पीकृत होकर इसे सामान्य ताप पर कन्डेस कर लेते हैं। इसके बाद फिल्टर करके ईंधन तैयार किया जाता है, जिसमें सल्फर नगण्य होता है। ज्वलनशील होने से यह डीजल की भांति ईंधन का कार्य करता है। इस विधि में 65 प्रतिशत डीजल व 35 प्रतिशत चारकोल तैयार होता है, जिसे बिटुमिन के साथ मिलाकर भूमि के भराव एवं सड़क निर्माण में काम ले सकते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ.हर्षवर्धन ने 28 अगस्त, 2019 को सीएसआईआर, देहरादून के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम में प्लास्टिक से डीजल बनाने के प्रोजेक्ट की शुरूआत की थी। इस प्रोजेक्ट में वैज्ञानिकों ने एक टन प्लास्टिक कचरे से प्रतिदिन 800 लीटर डीजल पैदा करने में सफलता प्राप्त की है। गेल इंडिया ने इसमें तकनीकी सहयोग किया है। इतना ही नहीं, बायो जेट फ्यूल से एयरक्राफ्ट उडान में भी सफलता मिली है। निकट भविष्य में प्रत्येक शहर में 10 टन क्षमता के प्रोजेक्ट स्थापित कर शहरों को पॉलिथीन के जहर से मुक्त किया जा सकता है।

(लेखक, कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन के उप मुख्य अभियंता हैं।)

ज्ञान गंगा

जीवन

सद्गुरु

एक अद्भुत सच्ची घटना है, जो दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान बदनाम जर्मन यातना शिविर 'ऑशविट्ज़' में घटी। लोगों को नंबर से बुलाया जा रहा था और उन्हें मारने वाले इलाके में ले जाया जा रहा था। कोई भी नंबर कभी भी बुलाया जा रहा था, और बूढ़े और कमजोर लोग जो काम नहीं कर सकते थे, उन्हें चुना जा रहा था। एक आदमी का नंबर बुलाया गया और वो बहुत ही डर गया। वो मरना नहीं चाहता था। उसके पास ही एक क्रिश्चियन मिशनरी खड़ा था, जिसका नंबर नहीं बुलाया गया था। उस आदमी का डर देख कर वो बोला, ''डरो मत। तुम्हारी जगह मैं जाऊंगा।'' उस आदमी को बहुत शर्म आई, पर उसने उनकी बात को नहीं ठुकराया। वो जिंदा रहना चाहता था। मिशनरी मारा गया। बाद में जर्मनी की हार हुई और यह आदमी छूट कर बाहर आ गया। कई सालों तक वो हार और शर्म के भाव में जीता रहा और उसने ये बात अपनी जीवन कथा में कही। उसे यह समझ में आया कि उसके ये सब करने का कोई फायदा नहीं था, क्योंकि उसका जीवन ही किसी से मिला हुआ दान था। इसका मतलब यह नहीं है कि आप जाकर अपना बलिदान दे दें या ऐसा कुछ पागलपन करें। वो आदमी जो अपनी मौत की तरफ गया, वो अपना बलिदान देने की बात नहीं सोच रहा था। उस समय उसने बस यह देखा कि क्या करने की जरूरत थी और उसने बिना दूसरा कोई विचार किए, बस यह कर दिया। अगर आप अपना जीवन स्वर्ग जाने के लोभ के बिना जीते हैं, तो आप सही रास्ते पर हैं। पर अगर स्वर्ग का सौदे करके आप सही रास्ते पर चल सकते हैं तो जाईये, ऐसा कीजिए। और अगर ऐसी परिपक्वता आप में आ जाती है कि आपको कोई सौदा नहीं चाहिए, और फिर भी आप ये कर सकते हैं, तो यह अच्छा है। आप अगर इन सीमाओं से बाहर आ गए हैं कि आप को कुछ दिया जाए, तो ही आप कुछ करेंगे। जो आदमी सिर्फ उतना ही करता है, जितना उसी के लिए जरूरी है, तो उसे भी उतना ही मिलेगा। अपने जीवन में वह हमेशा भिखारी ही रहेगा। उसे कभी पता नहीं चलेगा कि वास्तव में ताकत क्या है, उसे दिव्यता का कुछ भी पता नहीं चलेगा क्योंकि दिव्यता सब कुछ बिना किसी उद्देश्य के करती है। आप ही देखिए! सृष्टि में सब कुछ बिना उद्देश्य के ही किया जाता है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

आर्सेनिक की चपेट में बिहार

- देवेन्द्रराज सुथार

हाल ही में सामने आया कि बिहार के 19 जिलों के 10 लाख लोग आर्सेनिक से प्रभावित हैं। बिहार के उत्तरी भाग में गंगा के मैदान के अधिकतर जिले इसकी चपेट में हैं। केंद्रीय भूमि जल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, 21 राज्यों में आर्सेनिक का स्तर भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा निर्धारित 0.01 मिलीग्राम प्रति लीटर की अनुमन्य सीमा से अधिक हो गया है। गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना नदी बेसिन के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और असम इस मानव-प्रवर्तित भू-गर्भीय घटना से सबसे अधिक प्रभावित हैं। आर्सेनिक को विषों का राजा कहा जाता है। आर्सेनिक धातु के समान एक प्राकृतिक तत्व है। पेयजल, भोजन एवं वायु के माध्यम से मानव शरीर में एक निर्धारित मात्रा (0.05 मिग्रा./ली.) से अधिक पहुंच जाने पर यह मानव शरीर के लिये जहरीला हो जाता है। मुख्यतः आर्सेनिक प्रदूषण प्राकृतिक कारणों से होता है अर्थात हैण्डपम्प जिस स्ट्रैटा से पानी लेता है उसी में प्राकृतिक रूप से आर्सेनिक उपस्थित होता है। आर्सेनिक प्रदूषण मुख्यतः सक्रिय नदीय तंत्र से प्राकृतिक रूप से जुड़ा हुआ है और सामान्यतः बड़ी नदियों के बहाव क्षेत्र के मिट्टी में पाये जाते हैं। सामान्यतः आर्सेनिक विषाक्तता के प्रारम्भिक लक्षण त्वचा सम्बन्धी समस्याओं के रूप में दृष्टिगोचर होते हैं। बहुधा त्वचा के रंग में परिवर्तन, तथा गहरे या हल्के धब्बे शरीर पर दिखलाई पड़ते हैं। हथेली और तलवों की त्वचा कठोर, खुरदरी तथा कटी-फटी हो जाती है। ऐसे लक्षण ज्यादातर कई वर्षों तक लगातार आर्सेनिक प्रदूषित जल के पीने से होते हैं। यदि आर्सेनिक प्रदूषित जलग्रहण करना बन्द कर दिया जाये तो ऐसे लक्षणों का बढ़ना रुक सकता है तथा यह लक्षण खत्म भी हो सकते हैं। अधिक लम्बे समय तक आर्सेनिक प्रदूषित जल पीने से त्वचा का कैंसर तथा अन्य आन्तरिक अंगों तथा फेफड़े, आमाशय तथा गुर्दे का कैंसर हो सकता है। यह महत्वपूर्ण बात है कि आर्सेनिक प्रदूषण के लक्षण और चिन्ह अलग-अलग व्यक्ति, जनसमूह एवं भौगोलिक क्षेत्रों में भिन्न प्रकार के हो सकते हैं। आर्सेनिक से होने वाली बीमारियों की कोई सार्वभौमिक परिभाषा उपलब्ध नहीं है। आर्सेनिक एक ऐसा मीठा जहर है जो कभी भी स्वतंत्र रूप से प्रकृति में नहीं प्राप्त होता है, बल्कि यह संयुक्तावस्था में विभिन्न तत्वों के साथ प्राप्त होता है। सामान्य रूप से सल्फर, ऑक्सीजन, सीसा, तांबा एवं लोहा के साथ मिलता है। चट्टानों के टूटने की क्रिया या चट्टानों से जल रिसने पर आर्सेनिक भूमिगत जल के साथ मिश्रित हो जाता है। भूमिगत जल में आर्सेनिक का प्रवेश प्राकृतिक एवं मानवीय दोनों कारणों से होता है। व्यापक स्तर पर कीटनाशी एवं खरपतवारनाशी रसायनों का कृषि कार्य में उपयोग ही भूमिगत जल में आर्सेनिक की मात्रा को बढ़ाने के लिए उत्तरदायी होता है। वर्तमान समय में व्यापक स्तर पर कीड़ों से फलों को बचाने हेतु पेड़ों पर छिड़काव करने हेतु कापर साइनाइट का प्रयोग कीटनाशी की तरह एवं आर्सेनिक ऑक्साइड का प्रयोग खरपतवार नाशक के रूप में किया जा रहा है। यही नहीं बरसात के पानी से मिलकर आर्सेनिक यौगिक पृथ्वी की सतह पर आता हैं एवं रिसकर सतह के नीचे पहुंचकर भूमिगत जल में मिल जाता है। चूंकि आर्सेनिक भूमिगत जल में अविलेय है, किन्तु इतना सूक्ष्म होता है कि यह जल के साथ लटका रहता है। वैज्ञानिकों का यह भी मानना है कि पावर प्लांट में कोयला के जलने से भी आर्सेनिक उत्पन्न होता है जो नदियों द्वारा अपशिष्ट के रूप में बहाकर लाया जाता है। यही कारण है कि नदियों के आस-पास के क्षेत्रों में आर्सेनिक अधिक पाया जाता है। भू-वैज्ञानिकों का तो यह भी मत है कि आर्सेनिक गंगा नदी के किनारे अधिक पाया जाता है। यह पाया गया कि शरद ऋतु में उगाई जाने वाली धान से प्राप्त चावल में आर्सेनिक के अधिक विषैले तीन-संयोजी रूप पाए जाते हैं। दूसरी ओर चावल के भूसे में आर्सेनिक के पांच-संयोजी रूप मौजूद होते हैं। इसके अलावा धान की पारंपरिक और उच्च पैदावार दोनों ही किस्मों के साथ पारबॉइलिंग और मिलिंग जैसी प्रक्रियाओं में आर्सेनिक की मात्रा बढ़ती है। जैविक खाद के माध्यम से मृदा संशोधन करने पर आर्सेनिक की मात्रा में कमी आती है। भूजल दूषित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में पानी और आहार दोनों के माध्यम से आर्सेनिक सेवन और पेशाब में आर्सेनिक के उत्सर्जन को लेकर किए गए कई अध्ययन बताते हैं कि आर्सेनिक प्रदूषित इलाकों में सिर्फ पेयजल में आर्सेनिक की समस्या को दूर करने से आर्सेनिक सम्बंधी खतरे कम नहीं होंगे। चावल का नियमित सेवन शरीर में आर्सेनिक पहुंचने का एक प्रमुख ज़रिया है जिसका समाधान ढूंढने की ज़रूरत है। आर्सेनिक विषाक्तता के उपचार के लिए समग्र व समेकित तरीके की आवश्यकता है जिसमें खाद्य श्रृंखला में आर्सेनिक की उपस्थिति और पेयजल में आर्सेनिक सुरक्षित मात्रा की सीमा में रखने के मिले-जुले प्रयास करने होंगे। लोगों को पेयजल की गुणवत्ता जांचने के मामले में जागरूक करना और परीक्षण करने के लिए प्रेरित करना महत्वपूर्ण है। गंभीर त्वचा-घाव से प्रभावित लोगों के स्वास्थ्य खतरे और परेशानी को ध्यान में रखते हुए आर्सेनिक मुक्त पेयजल की आपूर्ति के साथ राज्य अस्पतालों में इन रोगियों के निशुल्क उपचार की व्यवस्था बीमारी को कम करने में मदद कर सकती है। यह ध्यान रखने की ज़रूरत है कि आर्सेनिक से प्रभावित लोग बहुत गरीब हैं व दूरस्थ ग्रामीण इलाकों में रहते हैं। आर्सेनिक प्रदूषित भूमिगत जल के अत्यधिक उपयोग के कारण मिट्टी और खाद्य श्रृंखला में काफी आर्सेनिक प्रदूषण हुआ है। आर्सेनिक प्रदूषित जल का उपयोग कम करने और इसके उपायों के बारे में किसानों को जागरूक बनाने में काफी समय लगेगा। विविध संस्थाओं और विविध विषयों को जोड़कर कार्यक्रमों को मज़बूत करना होगा, तभी आर्सेनिक-दूषित संसाधनों पर निर्भरता को कम करने के लिए दीर्घकालिक तकनीकी विकल्प विकसित हो सकेंगे। सरकार व गैर सरकारी संगठनों को पेयजल और कृषि उत्पादों के लिये आर्सेनिक मुक्त जल सुनिश्चित करने के लिये अधिक व्यापक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। केंद्र और राज्य दोनों सरकारों को इस विषय पर अनुसंधान को सुगम बनाने की दिशा में काम करना चाहिए जो फसलों में आर्सेनिक के संचय की जाँच कर सके और प्रभावित क्षेत्रों की कृषि चिंताओं को दूर कर सके।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय बाजार में विदेशी निवेशकों का रिकॉर्ड निवेश, FII निवेश दो दशक के उच्च स्तर पर पहुंचा

बिजनेस डेस्क: विदेशी निवेशकों ने कोरोना काल में भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर भरोसा जताया है। पिछले साल मार्च-अप्रैल 2020 के बाद कोरोना के कारण से दुनिया के ज्यादातर देशों की अर्थव्यवस्था चरमरा गई। ऐसे में विदेशी निवेशक जहां दूसरे देशों में निवेश करने से बच रहे थे, वहीं इन्होंने भारत में जमकर निवेश किया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने चालू वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान भारत बाजार में रिकॉर्ड निवेश किया है। भारतीय इक्विटीज के मुख्य चालक एफआईआई ने वित्त वर्ष 2020-21 में शेयर बाजारों में 37 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया, जो पिछले दो दशकों में सबसे अधिक है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार यह वित्त वर्ष 2012-13 के बाद शेयरों में सबसे अधिक निवेश है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने मार्च में 22,300 करोड़ रुपए भारतीय इक्विटी में डाले जो कुल मिलाकर 38 बिलियन डॉलर हो गई। लगातार विदेशी निवेश के साथ वित्त वर्ष 2020-21 में बेंचमार्क सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने 70 प्रतिशत से अधिक की बढ़त हासिल की।

स्पाइसजेट ने 50 नए विमानों की खरीद, पट्टे के लिए एवेन्यू कैपिटल के साथ समझौता किया

मुंबई, विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने बुधवार को कहा कि उसने न्यूयॉर्क स्थित वैश्विक निवेश फर्म एवेन्यू कैपिटल समूह के साथ 50 नए विमानों के वित्त पोषण, अधिग्रहण और बिक्री तथा पट्टे के लिए आरंभिक समझौता किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सहमति पत्र पर हस्ताक्षर के बाद अब दोनों पक्ष उन शर्तों पर विचार करेंगे, जिनके आधार पर स्पाइसजेट को नए विमान हासिल करने में मदद की जाएगी। स्पाइसजेट के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा, ''हम एवेन्यू कैपिटल ग्रुप के साथ इस रणनीतिक साझेदारी से खुश हैं और उनके साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं। यह गठबंधन हमारे बेड़े में विमानों के निर्बाध प्रवेश को सुनिश्चित करेगा और लंबी अवधि के लिए बेहतर योजना बनाने में हमारी मदद करेगा।''

वाहन ऋण के लिए मारुति सुजुकी की कर्नाटक बैंक के साथ साझेदारी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने बुधवार को कहा कि उसने कार खरीदारों को वाहन वित्त पोषण के अधिक विकल्प देने के लिए कर्नाटक बैंक के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने कहा कि उसने निजी क्षेत्र के ऋणदाता के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत ग्राहक कर्नाटक बैंक की 858 शाखाओं पर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इसके तहत ग्राहक मारुति सुजुकी की सभी नई कारों की खरीद पर 85 प्रतिशत तक ऋण पा सकते हैं और इसे सात साल में चुकाया जा सकता है।

गोवा में समिति के गठन के नौ साल बाद भी तैयार नहीं हो सकी कृषि नीति

पणजी। गोवा सरकार अभी तक कृषि नीति को अंतिम रूप नहीं दे सकी है, जबकि इस संबंध में विशेष समिति को गठित किए हुए नौ साल हो चुके हैं। राज्य के कृषि मंत्री चंद्रकांत कावलेकर ने हाल में संपन्न बजट सत्र के दौरान विधानसभा को बताया कि समिति के अध्यक्ष द्वारा पद से इस्तीफा देने के बाद समिति की बैठक नहीं हुई है। कावलेकर के लिखित जवाब के साथ संलग्न एक दस्तावेज के अनुसार तत्कालीन संसद सदस्य नरेंद्र सवाईकर 2012 में गठित समिति के अध्यक्ष थे। कावलेकर ने यह भी कहा कि राज्य सरकार कृषि नीति को अंतिम रूप देने से पहले सभी हितधारकों को भरोसे में लेगी। इस नीति का एक मसौदा पहले ही तैयार हो चुका है और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। उ

पाकिस्तान ने भारत के साथ व्यापार को दी मंजूरी, कपास और चीनी खरीदेगी इमरान सरकार

इस्लामाबाद:

भारत-पाकिस्तान के संबंधों में तल्खियां धीरे-धीरे कम होती नजर आ रही हैं। पाकिस्तान ने एक बार फिर झुकते हुए भारत के साथ व्यापार शुरू करने का ऐलान किया है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री हम्माद अजहर के अनुसार पाकिस्तान की इकोनॉमिक को-ऑर्डिनेशन कमेटी (ECC) ने बुधवार को प्राइवेट सेक्टर को भारत से 5,00,000 लाख टन सफेद चीनी और कपास का आयात करने की मंजूरी दी है। दोनों देशों के बीच 19 माह से बंद पड़े व्यापार को अब एक बार फिर से चालू किया जाएगा।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जहां पाक के निजी क्षेत्र को भारत से चीनी आयात करने की अनुमति मिल गई है वहीं इस साल 30 जून से पाकिस्तान भारत से कपास का आयात भी शुरू करेगा। बता दें कि साल 2016 से ही पाकिस्तान सरकार ने भारत से कपास और अन्य कृषि उत्पादों के आयात पर रोक लगा दी थी। इसके बाद अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म होने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ सभी रिश्ते तोड़ लिए थे। सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान में चीनी की बढ़ती कीमतों और संकटों से जूझ रहे कपड़ा उद्योग को बचाने के लिए पाकिस्तान की इमरान खान सरकार ने भारत के साथ व्यापार की फिर से शुरुआत करने को मंजूरी दी है। दोनों देशों में तनावपूर्ण रिश्ते तों के बीच यह पाकिस्तान का भारत के साथ संबंधों को सुधारने की दिशा में पहला बड़ा प्रयास माना जा रहा है। पाकिस्तान सरकार चीनी और कॉटन का आयात ऐसे समय पर करने जा रही है जब इन दोनों के लिए पाकिस्तान को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। पाकिस्तान सरकार का यह फैसला दोनों देशों के बीच सामान्य होते रिश्तों की शुरुआत माना जा रहा है।

RBI ने बनाए नए नियमः ग्राहक की मंजूरी के बाद ही खाते से बैंक काट पाएंगे राशि

बिजनेस डेस्क: मोबाइल बिल, अन्य यूटिलिटी बिल और ओटीटी मंचों के सब्सक्रिप्शन के लिए लगाया जाने वाला ऑटो डेबिट सिस्टम एक अप्रैल, 2021 से बंद हो जाएगा। आरबीआई ने इसे लेकर नए नियम बनाए हैं, जो नए वित्त वर्ष के पहले दिन से लागू होंगे। हालांकि, यूपीआई के ऑटोपे सिस्टम से ऐसे ऑटो-डेबिट भुगतान पर कोई असर नहीं होगा। दरअसल, केंद्रीय बैंक ने एडिशनल फैक्टर ऑथेंटिकेशन (एएफए) को नई गाइडलाइंस लागू करने के लिए 31 मार्च तक का समय दिया है। नए नियम लागू होने से करोड़ों सब्सक्राइबर्स प्रभावित होंगे। इन नियमों के तहत एक अप्रैल से बैंकों को ऑटो-डेबिट भुगतान की तारीख से पांच दिन पहले ग्राहक को एक नोटिफिकेशन भेजना होगा। भुगतान केवल तभी हो पाएगा, जब ग्राहक मंजूरी देगा। इसके अलावा, अगर भुगतान रकम 5,000 रुपए से ज्यादा है तो बैंक ग्राहक को ओटीपी भी भेजेगा। उधर, इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया का कहना है कि ज्यादातर बड़े बैंकों ने इसके लिए खुद को तैयार नहीं किया है, जिस वजह से बैंकों से जुड़े कार्ड नेटवर्क इस सर्कुलर का पालन नहीं कर पाएंगे।

सरकार ने पीएलआई योजना के तहत खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए 10,900 करोड़ रुपए मंजूर किए

नई दिल्ली:

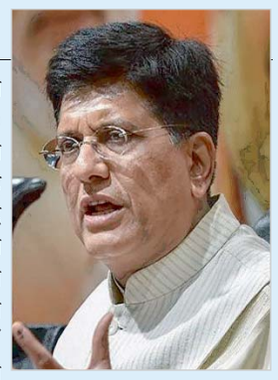

सरकार ने बुधवार को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए 10,900 करोड़ रुपए की मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस योजना को मंजूरी दी, जिससे 2.5 लाख लोगों को रोजगार मिलने और निर्यात में बढ़ोतरी की उम्मीद है। साथ ही इससे उपभोक्ताओं को मूल्य वर्धित उत्पादों की उपलब्धता बढ़ेगी। खाद्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंत्रिमंडल के फैसलों के बारे में जानकारी देते हुए कहा, ''खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए 10,900 करोड़ रुपए की राशि के साथ पीएलआई को मंजूरी दी गई है। यह निर्णय हमारे किसानों के लिए एक उचित समर्पण है।'' सूचना और प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि बजट में सरकार ने 12-13 क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजना लाने की बात कही थी। छह क्षेत्रों के लिए पहले ही पीएलआई की घोषणा की जा चुकी है। उन्होंने कहा, ''आज, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के लिए पीएलआई को मंजूरी दी गई।'' उन्होंने कहा कि इस घोषणा से मूल्यवर्धित खाद्य उत्पादों का बढ़ावा मिलेगा, विदेशी निवेश में बढ़ोतरी होगी और किसानों को अपनी पैदावार की उचित कीमत मिलने के साथ ही बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

SBI ने भारत में ऑटो कंपनियों की मदद के लिए जापानी बैंक से 7,350 करोड़ रु का लिया ऋण

बिजनेस डेस्क:

देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने बुधवार को कहा कि उसने भारत में कोरोना वायरस महामारी के चलते पीड़ित जापानी ऑटो विनिर्माताओं की मदद के लिए जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन (Japan Bank for International Cooperation) से एक अरब अमेरिकी डॉलर (करीब 7,350 करोड़ रुपए) का अतिरिक्त ऋण जुटाया है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने एक बयान में कहा कि उसने एक अरब अमरीकी डॉलर का ऋण जुटाने के लिए अक्टूबर 2020 में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे और ताजा उधारी के साथ जेबीआईसी से ली गई कुल ऋण राशि दो अरब डॉलर हो गई है। अक्टूबर 2020 में एक बयान में कहा गया है कि इस एक अरब डॉलर की राशि में से 60 करोड़ डॉलर जेबीआईसी उपलब्ध कराएगा। शेष 40 करोड़ डॉलर अन्य भागीदार बैंक यानी एसएमबीसी, एमयूएफजी बैंक, मिज़ुओ बैंक और शिज़ुओका बैंक तथा योकाहामा बैंक द्वारा दी जाएगी।

ऑटो सेक्टर को होगी मदद

बयान में कहा गया कि इस ऋण भारत में जापानी ऑटो विनिर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं और डीलरों को सहायता दी जाएगी, जिनकी व्यावसायिक गतिविधियां कोविड 19 के कारण बुरी तरह प्रभावित हुई हैं।

बयान में कहा गया है कि इससे भारत में जापानी ऑटोमोबाइल विनिर्माताओं के कारोबार की पूरी श्रृंखला के लिए वित्त उपलब्ध हो सकेगा।

जानिए जेबीआईसी के बारे में

जेबीआईसी एक नीति आधारित वित्तीय संस्थान है, जो पूरी तरह से जापान सरकार के स्वामित्व में है और जिसका उद्देश्य जापान, अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और समाज के विकास में योगदान करना है।

भारत में इन जापानी ऑटो कंपनियों का है दबदबा

एसबीआई के अध्यक्ष दिनेश खारा ने कहा कि ऐसे समय में, जब लोग आने जाने के लिए निजी वाहन को प्राथमिकता दे रहे हैं, एसबीआई और जेबीआईसी के बीच यह सहयोग जापानी ऑटोमोबाइल उद्योग की पूरी आपूर्ति श्रृंखला को ऋण सुविधा प्रदान करने में मदद करेगा, जिसमें विनिर्माता, आपूर्तिकर्ता और डीलर शामिल हैं। भारतीय ऑटो क्षेत्र में जापानी कंपनियों का दबदबा है, जिनमें मारुति सुजुकी, टोयोटा किर्लोस्कर और हौंडा शामिल हैं।

विश्व बैंक का अनुमानः अगले वित्त वर्ष में 7.5 से 12.5% तक रह सकती है आर्थिक वृद्धि दर

बिजनेस डेस्क:

विश्व बैंक ने अनुमान जताया है कि वित्त वर्ष 2021-2022 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.5 फीसदी से 12.5 फीसदी तक सीमित रहेगी। विश्व बैंक के एक अधिकारी ने कहा कि वृद्धि दर 10 फीसदी से थोड़ी ऊपर रह सकती है। विश्व बैंक की 'दक्षिण एशिया वैक्सीनेट्स' नाम से जारी रिपोर्ट में कहा गया, 'महामारी के चलते वैश्विक अनिश्चितता को देखते हुए, वित्त वर्ष 2021-22 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 7.5 से 12.5 फीसदी तक हो सकती है। टीकाकरण अभियान कैसे आगे बढ़ते हैं, इस पर वृद्धि दर निर्भर रहेगी।'

आईएमएफ ने भी जताया अनुमान

वहीं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 2021-22 के दौरान भारत की विकास दर 11.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया था। आईएमएफ के मुताबिक, महामारी से भारत बुरी तरह प्रभावित हुआ, लेकिन कंपनियों से झटकों से उबरते हुए अब गतिविधियां शुरू कर दी हैं। इसका सकारात्मक असर विकास दर पर देखने को मिलेगा।

सकारात्मक हो सकती है वृद्धिः दुरूह

आईएमएफ ने कहा था कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से सुधार के रास्ते पर है। हालांकि, कोरोना संक्रमण के फिर से बढ़ रहे मामलों को देखते हुए लागू होने वाले लॉकडाउन से सुधार को झटका लग सकता है। आईएमएफ के प्रवक्ता गैरी राइस ने एक सम्मेलन में कहा कि कोरोना महामारी के झटकों से उबर रही भारतीय अर्थव्यवस्था सुधार की राह पर आगे बढ़ रही है। 2020 की चौथी तिमाही में वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि फिर से सकारात्मक हो सकती है, जो महामारी की शुरुआत के बाद पहली बार होगा। इसकी प्रमुख वजह सकल और स्थिर पूंजी में बढ़ोतरी है।

विश्व बैंक के साथ अगले महीने होने वाली बैठक से पहले राइस ने कहा कि इस साल की पहली तिमाही में पीएमआई (परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स) व्यापार और अन्य आंकड़े लगातार सुधार के संकेत दे रहे हैं। हालांकि, कोरोना महामारी की दूसरी लहर और स्थानीय स्तर पर कई शहरों में लॉकडाउन के कारण कुछ जोखिम जरूर पैदा हुए हैं। इसका असर आर्थिक और कारोबारी गतिविधियों पर पड़ सकता है, जिससे सुधार की राह पर चल रही भारतीय अर्थव्यवस्था को झटका लग सकता है।

सेबी ने सात इकाइयों, छह लोगों पर प्रतिबंध लगाया, जेनिथ बिड़ला जीडीआर में गड़बड़ी का मामला

नई दिल्ली। जेनिथ बिड़ला (इंडिया) लिमिटेड से जुड़े ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसीट्स (जीडीआर) में गड़बड़ी के मामले में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने छह व्यक्तियों और सात इकाइयों के प्रतिभूति बाजार में कारोबार पर अलग-अलग अवधि के लिए प्रतिबंध लगाया है। इनमें से कुछ से गैरकानूनी कमाई को लौटाने का भी निर्देश दिया गया है। अपने 92 पृष्ठ के आदेश में नियामक ने जेनिथ बिड़ला, अरुण पंचारिया और विंटेज एफजेडई पर तीन साल का प्रतिबंध लगाया है। इसके अलावा हाई ब्लू स्काई इमर्जिंग मार्केट फंड, पैन एशिया एडवाइजर्स लिमिटेड, मुकेश चौरडिया, इंडिया फोकस कार्डिनल फंड और पीवीआर मूर्ति पर दो साल का प्रतिबंध लगाया गया है। सेबी ने कार्डिनल कैपिटल पार्टनर्स, गोल्डन क्लिफ, यश बिड़ला, एमएस अरोड़ा और एपी कुरियास पर प्रतिभूति बाजार में कारोबार की एक साल की रोक लगाई है। यह मामला जेनिथ बिड़ला द्वारा जीडीआर जारी करने से संबंधित है। कंपनी ने मई, 2010 में 2.29 करोड़ डॉलर में 18.1 लाख जीडीआर जारी किए थे।

जेवर एयरपोर्ट के पास घर-ऑफिस, फैक्ट्री के लिए जमीन लेने वालों की लगी भीड़

नई दिल्ली:

यमुना एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डवलपमेंट अथॉरिटी (Yeida) ने हाल ही में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास घर-ऑफिस और फैक्ट्री के लिए जमीन बेचने की दो योजनाएं लांच की हैं। इन योजनाओं में टॉय सिटी, हैंडीक्राफ्ट पार्क, एमएसएमई पार्क और जनरल इंडस्ट्रियल प्लॉट के साथ-साथ घर बनाने के लिए प्लॉट आवंटन की योजना भी शामिल है। यमुना अथॉरिटी के लिए खुश होने वाली बात यह है कि हर कोई जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास अपना घर-ऑफिस और फैक्ट्री बनाने की दौड़ में है। सबसे ज्यादा आवेदन घर लेने वालों के आ रहे हैं। एयरपोर्ट के पास ऑफिस और फैक्ट्री बनाने वालों की भीड़ भी कम नहीं है। गौरतलब है कि जेवर में बनने वाला सिर्फ इंटरनेशनल एयरपोर्ट ही यमुना एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डवलपमेंट अथॉरिटी की योजनाओं में शामिल नहीं है। इसके अलावा दिल्ली-मुम्बई रेल कॉरिडोर, दिल्ली-बनारस बुलेट ट्रेन, ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे को एयरपोर्ट से जोड़ा जा रहा है। फिल्म सिटी और टॉय सिटी जैसी योजनाएं भी शामिल हैं। इसी के चलते हर किसी की चाहत है कि जेवर एयरपोर्ट के पास ही उसका घर हो और ऑफिस-फैक्ट्री भी पास में ही बन जाए।

367 प्लॉट के लिए आए 4450 आवेदन

यमुना अथॉरिटी ने टॉय सिटी, हैंडीक्राफ्ट पार्क, एमएसएमई पार्क और जनरल इंडस्ट्रियल प्लॉट आवंटन के लिए योजना लांच की थी। इसमें टॉय सिटी में 24, हैंडीक्राफ्ट में 47 और एमएसएमई और जनरल प्लॉट की संख्या 296 रखी गई है। ये प्लॉट 4 हजार वर्गमीटर से कम क्षेत्रफल वाले हैं। यमुना अथॉरिटी के मुताबिक इस योजना के लिए 25 मार्च तक आवेदन लिए गए हैं। ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत इस योजना में 4450 आवेदन आए हैं। अब आवेदनों की जांच की जा रही है। सभी तरह की जांच के बाद सफल आवेदकों की सूची वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाएगी। अथॉरिटी के मुताबिक इस योजना का ड्रॉ 15 अप्रैल को निकाला जाएगा।

अमेजन ने स्टार्टअप्स के लिए एडब्ल्यूएस स्पेस एक्सेलरेटर लॉन्च किया

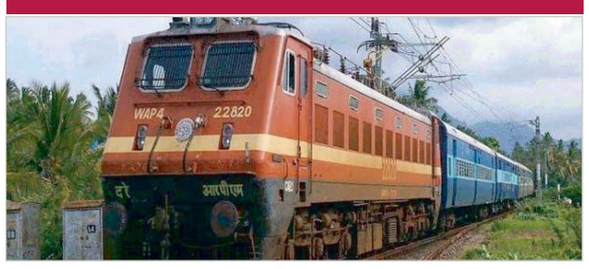

अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) ने स्पेस स्टार्टअप्स को बढ़ने में मदद करने के लिए चार सप्ताह का बिजनेस सपोर्ट प्रोग्राम स्पेस एक्सेलेरेटर लॉन्च किया है। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि अंतरिक्ष उद्योग में सबसे बड़ी चुनौतियों को हल करने में मदद करने के लिए एडब्ल्यूएस का उपयोग करने के साथ स्पेस स्टार्टअप के लिए कार्यक्रम खुला है। एडब्ल्यूएस ने कहा कि आवेदन पहले से ही खुले हैं और प्रस्ताव 21 अप्रैल तक लिए जाएंगे। कार्यक्रम दुनिया भर में स्पेस स्टार्टअप को तकनीकी, व्यापार और सलाह देने वाले संसाधन प्रदान करेगा। एडब्ल्यूएस यह अवसर विशेष रूप से अंतरिक्ष उद्योग पर केंद्रित लंदन स्थित निवेश समूह सेराफिम के सहयोग से दे रहा है, जो व्यवसाय विकास और निवेश मार्गदर्शन प्रदान करेगा। एडब्ल्यूएस और सेराफिम, एडब्ल्यूएस क्लाउड के साथ एक गहन चार सप्ताह के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए स्पेस स्टार्टअप के एक समूह का चयन करेंगे और उन्हें एडब्ल्यूएस का उपयोग करके अनुसंधान, विकास और विकास में तेजी लाने में मदद करने के लिए तकनीकी प्रशिक्षण देंगे। एडब्ल्यूएस में एयरोस्पेस और सैटेलाइट के निदेशक क्लिंट क्रोसियर ने एक बयान में कहा, स्टार्टअप अंतरिक्ष उद्योग में साहसिक नए प्रयोग के लिए एक उत्प्रेरक (मुख्य स्रोत) प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा, स्टार्टअप शुरू करने और एयरोस्पेस के भविष्य को आकार देने में मदद करने के लिए हमारी चल रही प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में एडब्ल्यूएस स्पेस एक्सेलरेटर की घोषणा करने पर हमें गर्व है। हम इस नए कार्यक्रम के माध्यम से लॉन्च करने और बढ़ने में कंपनियों की मदद करने के लिए तत्पर हैं।

रेलवे का बड़ा फैसला, अब रात में मोबाइल या लैपटॉप चार्ज नहीं कर सकेंगे यात्री

बिजनेस डेस्क:

ट्रेन में सफर करने वालों के लिए एक जरूर खबर है। भारतीय रेलवे ने अपने नियमों में एक बड़ा बदलाव किया है। वेस्टर्न जोन (Western Railways) की ट्रेनों में अब रात में यात्री चार्जिंग प्वॉइंट की सुविधा नहीं मिलेगी। रात 11 बजे से लेकर सुबह 5 बजे तक चार्जिंग प्वॉइंट में बिजली की आपूर्ति बंद रहेगी। ऐसे में यात्री रात में अपना मोबाइल या लैपटॉप चार्ज नहीं कर सकेंगे। ट्रेनों में आग लगने की घटनाओं को देखते हुए, इंडियन रेलवे के वेस्टर्न जोन ने ये फैसला लिया है। इस फैसले से लाखों रेल यात्री प्रभावित होंगे। इस नियम से रात में यात्रा के दौरान मोबाइल चोरी जैसी घटनाएं नहीं होंगी।

साथ ही ओवर चार्जिंग की वजह से मोबाइल ब्लास्ट की आशंका भी खत्म हो जाएगी। बता दें कि 13 मार्च को दिल्ली-देहरादून शताब्दी एक्सप्रेस में आग लग गई थी। आग एक कोच से शुरू हुई और देखते ही देखते 7 कोच तक फैल गई। गनीमत ये रही कि आग की वजह से किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा और सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। इस घटना के बाद रेलवे ने एक जांच कमेटी बनाई जिसमें ये बात सामने आई कि चार्जिंग सॉकेट की वजह से रेल के डिब्बों में आग लगी होगी।

2014 में जारी हुई थी एडवाइजरी

आग लगने की घटना के बाद वेस्टर्न जोन ने कहा है कि वह साल 2014 में जारी की गई एडवायजरी का सख्ती से पालन करेंगे। दरअसल, रेलवे ने साल 2014 में सभी जोन को एक एडवाइजरी जारी की थी कि वह रात 11:00 बजे से सुबह 5:00 बजे तक कोशिश करें कि यात्री मोबाइल चार्ज ना करें। इससे लोगों को असुविधा भी होती है और आग लगने की दुर्घटना भी होती है।

बिकवाली के दबाव में 627 अंक टूटा सेंसेक्स, निफ्टी भी 154 अंक फिसला

मुंबई।

खराब वैश्विक संकेतों से घरेलू शेयर बाजार में बढ़े बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स बुधवार को 627 अंक टूटकर 49,509 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 154 अंक फिसलकर 14,691 पर ठहरा। वित्तीय बैंकिंग, पावर और टेलीकॉम सेक्टरों के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। हालांकि रियल्टी और एफएमसीजी में लिवाली बनी रही। सेंसेक्स बीते सत्र से 627.43 अंकों यानी 1.25 फीसदी की गिरावट के साथ 49,509.15 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी बीते सत्र से 154.40 अंकों यानी 1.04 फीसदी की गिरावट के साथ 14,690.70 पर बंद हुआ। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स बीते सत्र से 87.46 अंकों की कमजोरी के साथ 50,049.12 पर खुला और दिनभर कारोबार के दौरान 49,442.50 तक टूटा, जबकि इस दौरान सेंसेक्स का ऊपरी स्तर 50,050.32 रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी बीते सत्र से 33.25 अंकों की गिरावट के साथ 14,811.85 पर खुला और दिनभर के कारोबार के दौरान 14,670.25 तक फिसला, जबकि इस दौरान निफ्टी का ऊपरी स्तर 14,813.75 रहा। हालांकि बीएसई मिडकैप सूचकांक बीते सत्र से 14.72 अंकों यानी 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 20,181.31 पर बंद हुआ, जबकि स्मॉलकैप सूचकांक पिछले सत्र से 105.94 अंकों यानी 0.52 फीसदी की तेजी के साथ 20,649.33 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 11 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 19 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स के सबसे ज्यादा तेजी वाले पांच शेयरों में आईटीसी (1.82 फीसदी), बजाज फिनसर्व (1.80 फीसदी), हिंदुस्तान यूनीलीवर (1.36 फीसदी), एसबीआईएन (0.90 फीसदी) और टीसीएस (0.56 फीसदी) शामिल रहे। सेंसेक्स के सबसे ज्यादा गिरावट वाले पांच शेयरों में एचडीएफसी (4.06 फीसदी), एचडीएफसी बैंक (3.86 फीसदी), पावरग्रिड (2.71 फीसदी), टेक महिंद्रा (2.50 फीसदी) और आईसीआईसीआईबैंक (1.71 फीसदी) शामिल रहे। बीएसई के सभी 19 सेक्टरों में आठ सेक्टरों के सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 11 सेक्टरों में गिरावट रही। सबसे ज्यादा गिरावट वाले पांच सेक्टरों में वित्त (1.73 फीसदी), बैंकिंग (1.43 फीसदी), पावर (1.35 फीसदी), टेलीकॉम (1.29 फीसदी), टेक (0.86 फीसदी) और ऊर्जा (0.86 फीसदी) शामिल रहे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

विश्व कप क्वालीफायरः क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने दिलाई पुर्तगाल को जीत

मैड्रिड । बेल्जियम और नीदरलैंड ने विश्व कप फुटबॉल क्वालीफाइंग मैचों में मंगलवार को बड़ी जीत दर्ज की जबकि क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गोल दागकर पुर्तगाल को लक्समबर्ग पर 3-1 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। बेल्जियम ने बेलारूस को 8-0 से रौंदकर ग्रुप ई में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा जबकि नीदरलैंड ने जिब्राल्टर को 7-0 से करारी शिकस्त दी और वह ग्रुप जी में तुर्की के बाद दूसरे स्थान पर है। आयरलैंड के खिलाफ जीत दर्ज करने वाले लक्समबर्ग ने पुर्तगाल के खिलाफ बढ़त हासिल करके एक और उलटफेर की उम्मीद जगाई थी।पुर्तगाल ने हालांकि डिएगो जोल्टा, रोनाल्डो और जाओ पालिन्हा के गोल की मदद से ग्रुप ए में सर्बिया के साथ अपना शीर्ष स्थान बनाए रखा। सर्बिया ने एक अन्य मैच में अजरबेजान को 2-1 से हराया। तुर्की ने लाटविया के खिलाफ अपना मैच 3-3 से ड्रा खेला। तुर्की की तरह रूस भी लगातार तीसरी जीत दर्ज करने में असफल रहा। उसे स्लोवाकिया ने 2-1 से पराजित किया।रूस अब ग्रुप एच में क्रोएशिया के साथ शीर्ष पर है। क्रोएशिया ने एक अन्य मैच में माल्टा को 3-0 से शिकस्त दी। साइप्रस ने स्लोवानिया को 1-0 से हराकर ग्रुप में अपनी पहली जीत दर्ज की।

आईसीसी रैंकिंग : कोहली वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर कायम, बुमराह चौथे स्थान पर खिसके

दुबई ।

भारतीय कप्तान विराट कोहली बुधवार को यहां जारी आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह गेंदबाजों की सूची में एक पायदान खिसककर चौथे स्थान पर पहुंच गए। कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले और दूसरे वनडे में क्रमशः 56 और 66 रन की पारियां खेली थीं जिससे उनके 870 अंक हो गए हैं। बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला में नहीं खेले थे जिससे वह एक पायदान खिसक गए और गेंदबाजों की सूची में 690 अंक से चौथे स्थान पर पहुंच गए।भारतीय सीमित ओवरों के उप कप्तान रोहित शर्मा रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं, वह पाकिस्तान के बाबर आजम से पीछे हैं जबकि लोकेश राहुल 31वें से 27वें स्थान पर पहुंच गए हैं। आल राउंडर हार्दिक पंड्या 35 और 64 रन की पारियां खेलकर बल्लेबाजों में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 42वीं रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे और ऋषभ पंत ने शीर्ष 100 में प्रवेश कर लिया है। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने अंतिम मैच में 42 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे, उन्हें नौ पायदान का फायदा हुआ है जिससे वह 11वें स्थान पर पहुंच गये हैं जो सितंबर 2017 में उनके 10वें स्थान के बाद सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। शारदुल ठाकुर ने इसी मैच में 67 रन देकर चार विकेट चटकाये थे जिससे वह 93वें से 80वें स्थान पर पहुंच गये हैं। इंग्लैंड के लिये आल राउंडर बेन स्टोक्स को चार पायदान का फायदा हुआ जिससे वह 24वें स्थान पर पहुंच गये। उन्होंने दूसरे वनडे में 52 गेंद में 99 रन बनाये थे और वह आल राउंडर में दूसरे स्थान पर हैं जबकि जॉनी बेयरस्टो ने करियर के सर्वश्रेष्ठ 796 रेटिंग अंक से अपना सातवां स्थान बरकरार रखा है। मोईन अली 9 पायदान के फायदे से गेंदबाजी सूची में 46वें स्थान पर पहुंच गए।टी20 अंतरराष्ट्रीय ताजा रैंकिंग की बल्लेबाजी सूची में राहुल और कोहली दोनों को एक पायदान का नुकसान हुआ जिससे दोनों क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर खिसक गए हैं। कोई भी भारतीय गेंदबाजों और आल राउंडर सूची में शीर्ष 10 में शामिल नहीं है। टेस्ट रैंकिंग में स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने आस्ट्रेलिया के पैट कमिंस के बाद दूसरा स्थान कायम रखा है। ऑल राउंडर सूची में रविंद्र जडेजा तीसरे और अश्विन चौथे स्थान पर काबिज हैं।

जीटी 4 चैंपियनशिप के 2021 सत्र में हिस्सा लेंगे अखिल रविंद्रा

बेंगलुरु ।

ऑस्टिन मार्टिन रेसिंग (ए.एम.आर.) ड्राइवर अकादमी के भारतीय रेसर अखिल रविंद्रा ने प्रतिष्ठित जीटी 4 चैंपियनशिप के 2021 सीजन में भाग लेने की घोषणा की। बेंगलुरु में जन्मे अखिल इस साल एजीएस इवेंट्स रेसिंग टीम के साथ वापसी करने को तैयार हैं, पिछले साल इसी टीम का फ्रेंच जीटी 4 चैंपियनशिप में पहली बार इन्होंने प्रतिनिधित्व किया था। रबिन्द्र लगातार वर्षों, 2019-2020 और 2020-2021 तक प्रतिष्ठित एएमआर ड्राइवर अकादमी में जगह बनाने का कारनामा करने वाले पहले एशियाआई रेसर हैं। 24 वर्षीय अखिल, यूरोपियन जी.टी. 4 चैंपियनशिप के इस सीजन में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय होंगे। अखिल एजीएस इवेंट्स रेसिंग टीम के साथ इटली के प्रसिद्ध मॉन्जा रेसिंग सर्किट में अपने अभियान की शुरुआत करेंगे जो 16-18 अप्रैल, 2021 वाले सप्ताह में यूरोपियन जीटी 4 चैंपियनशिप 2021 के पहले राउंड के साथ शुरू होगा। अखिल 2021 सीजन के लिए एस्टन मार्टिन रेसिंग वी 8 वैंटेज जी.टी. 4 चलाएंगे , जिसमें छह देशों में 12 रेस और कई राउंड शामिल होंगे। एजीएस इवेंट्स रेसिंग टीम के लिए अखिल की टीम के साथी 19 वर्षीय फ्रेंच ड्राइवर ह्यूगो कोंडे होंगे। ए.जी.एस. रेसिंग टीम से जुड़ने के पश्चात अखिल ने कहा- एजीएस इवेंट्स रेसिंग टीम के साथ रेसट्रैक पर वापस आने के लिए मैं काफी ज्यादा उत्सुक हूं और आगामी यूरोपीय जी.टी. 4 चैम्पियनशिप को लेकर भी काफी ज्यादा उत्साहित हूं। पिछले कुछ सालों में ए.जी.एस. का जी.टी. रेसिंग रिकॉर्ड शानदार रहा है और मैं इसे और भी बेहतर बनाने की मदद करने के लिए पूरी तरह संकल्पित हूं। अपने सफल पदार्पण के बाद एजीएस इवेंट्स ने जी.टी. 4 यूरोपीय सीरीज में वापस आने की पुष्टि की है। सिल्वर, प्रो-एएम और टीम चैंपियन इस सीजन में तीन एस्टन मार्टिन वैंटेज ए.एम.आर. जी.टी. 4 मॉडल को ट्रैक पर उतारेंगे।

मियामी ओपन : एश्ले बार्टी पहुंची सेमीफाइनल में

मियामी ।

विश्व की नंबर एक आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एश्ले बार्टी ने आखिरी नौ अंक हासिल करके मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जबकि पुरुष वर्ग में शीर्ष वरीय दानिल मेदवेदेव ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके अंतिम चार में जगह बनाई। बार्टी ने सातवीं वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका को 6-4, 6-7 (5), 6-3 से हराया। यह पिछले चार मैचों में तीसरा अवसर है जबकि उन्होंने तीन सेट में जीत दर्ज की। मेदवेदेव ने हालांकि फ्रांसिस टिफोउ को आसानी 6-4, 6-3 से पराजित किया। अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा ने पांचवीं वरीयता प्राप्त अर्जेंटीनी खिलाड़ी डिएगो श्वार्टजमैन को 6-3, 4-6, 7-5 से हराकर उलटफेर किया। एक अन्य मैच में रूस के आंद्रेई रूबलेव ने मारिन सिलिच को 6-4, 6-4 से शिकस्त दी। महिला वर्ग में बार्टी सेमीफाइनल में 5वीं वरीयता प्राप्त इलिना स्वितोलिना से भिड़ेगी जिन्होंने अनास्तेसिया सेवास्तोवा को 6-3, 6-2 से हराया। जॉन इसनर ने एक मैच प्वाइंट गंवाया और आखिर में राबर्टो बातिस्ता आगुट ने उन्हें 6-3, 4-6, 7-6 (7) से पराजित किया। सेमीफाइनल में मेदवेदेव और आगुट आमने सामने होंगे।

दिल्ली के कप्तान बनकर बोले पंत- मैं भी युवराज की तरह छक्के लगा सकता हूं

नई दिल्ली ।

आई.पी.एल. 2021 में दिल्ली कैपिटल्स की कमान संभालने वाले युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने भारत के पूर्व आलराउंडर युवराज सिंह की बल्लेबाजी को याद करते हुए कहा है कि वह हमेशा से ही छक्के लगाने के शौकीन थे। बचपन में वह जब क्रिकेट खेलते थे तब उनके शॉट हर तरफ जाते थे। पंत ने कहा- जब आप छक्का लगाते हैं तो अमूमन इसमें काफी ताकत लगती है, लेकिन जब युवी पाजी बल्लेबाजी करते थे और छक्के लगाते थे तो ऐसा लगता था कि वह बिना किसी कोशिश और ताकत के छक्के लगाते हैं, जिसमें सिर्फ टाइमिंग होती थी। उनके द्वारा लगाए गए छक्कों को देख कर काफी अच्छा लगता था और महसूस होता था कि ऐसा भी कुछ हो सकता है और यही चीज मैं अपने अंदर देखता हूं। मुझे लगता है कि मैं भी युवराज की तरह छक्के लगा सकता हूं। सोनेट क्रिकेट अकादमी में ऋषभ पंत के कोच रहे तारक सिन्हा ने कहा- युवराज की तरह पंत ने भी सहज तरीके से गेंद को बाउंड्री पार कराने का रास्ता ढूंढ लिया है जो बहुत अच्छी बात है। उन्होंने सोनेट क्रिकेट मैदान पर एक बार गेंद को मैदान के बाहर भेज कुछ ऐसा ही करके दिखाया था। कई मौकों पर उन्होंने अपने खेल का यह पहलू दिखाया है, लेकिन आईपीएल 2018 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 48 गेंदों पर 84 रन की वो पारी बेहद खास थी, जिसमें उन्होंने खुद को इस दौर के युवराज सिंह के रूप में पेश किया था। सिन्हा ने कहा- पंत हमेशा से ताकतवर बल्लेबाज रहे हैं और अब उनकी ताकत और बढ़ गई और वह लंबे छक्के लगाने लगे हैं। यही एक डर है जो हर बल्लेबाज को गेंदबाजों के ऊपर बनाना चाहिए और पंत ने यह बनाया है। उल्लेखनीय है कि पंत का सीमित ओवर क्रिकेट ग्राफ काफी सुधरा है, लेकिन टेस्ट में अच्छे प्रदर्शन से बीसीसीआई के साथ लंबे केंद्रीय अनुबंध से उन्हें काफी फायदा मिला है। पिछले आईपीएलसत्र में 52.61 के औसत और 173.60 के स्ट्राइक रेट के साथ 14 मैचों में 684 रन बनाने के बाद पंत ने एक बार फिर वह भरोसा बनाया है जो उन्होंने 19 साल की उम्र में दिल्ली की टीम में प्रवेश के वक्त बनाया था। पंत ने कहा- जब मैंने युवा बल्लेबाज के रूप में करियर शुरू किया तो दिल्ली ने मुझे मौका दिया। एक खिलाड़ी के लिए यह महत्वपूर्ण होता है कि उसे किसने उसका पहला ब्रेकथ्रूदिया है, इसलिए मुझे हमेशा यह याद रहेगा, क्योंकि 19 साल की उम्र में मुझे मैच खेलने का मौका देना आसान फैसला नहीं है। खासतौर पर आईपीएल जैसे फॉर्मेट में जहां प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की कमी नहीं है, इसलिए अगर आपको कोई मौका दे तो हमें उनका शुक्रिया अदा करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

यूरोपियन क्लब कप शतरंज फाइनल - विदित नें रूस के फेडोसीव को दी मात

नासिक ,महाराष्ट्र (निकलेश जैन) भारतीय ग्रांडमास्टर विदित गुजराती नें यूरोपियन क्लब कप ऑनलाइन शतरंज के फाइनल चरण मे भी अपना अपराजेय रहने का रिकॉर्ड बरकरार रखा है उन्होने सबसे पहले ग्रुप चरण मे 6 जीत एक ड्रॉ के साथ 6.5 अंक , फिर प्ले ऑफ मे 5 मैच मे से 2 जीत और 3 ड्रॉ से 3.5 अंक बनाए थे और अब फाइनल चरण मे खेले गए 6 मैच मे 1 जीत और 5 ड्रॉ से 3.5 अंक बनाए है और इस प्रकार अब तक 18 राउंड मे 9 जीत और 9 ड्रॉ से 13.5 अंक बनाए है जो बेहद शानदार प्रदर्शन है । फाइनल चरण मे अपनी टीम नोवि बार से खेलते हुए उन्होने रूस के ब्लादिमीर फेडोसीव को पराजित करते हुए दो माह पहले स्पीड चेस प्ले ऑफ मे मिली हार का हिसाब बराबर कर लिया । सिमीट्रिकल इंगलिश ओपेनिंग मे काले मोहरो से खेलते हुए विदित नें 33 चालों मे शानदार जीत हासिल की जबकि इसके बाद जर्मनी के मथियस ब्लूबम और स्वाने रसमुस , अमेरिका के गाटा कामस्की ,इंग्लैंड के माइकल एडम्स और पोलैंड के जान डुड़ा से अपने मुक़ाबले ड्रॉ खेले । इसी टीम से खेलते हुए भारत के पेंटाला हरिकृष्णा नें 2 मैच मे 1.5 तो कृष्णन शशिकीरण नें 3 मे 1 अंक बनाया है ।

हॉकी : हमारी निगाह अर्जेंटीना दौरे में भी अजेय रहने पर : मनप्रीत

बेंगलुरू । यूरोप दौरे में अजेय रहने से भारतीय पुरुष हॉकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और कप्तान मनप्रीत सिंह ने उम्मीद जताई कि अर्जेंटीना दौरे में भी टीम अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखने में सफल रहेगी। भारत की 22 सदस्यीय टीम आज सुबह ब्यूनस आयर्स के लिए रवाना हुई जो उसका 2021 में दूसरा दौरा है। इससे पहले उसने पिछले महीने यूरोप का दौरा किया था जहां वह जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के विरुद्ध अजेय रही थी। एक साल बाद टीम में वापसी करने वाले मनप्रीत ने कहा कि टीम शीर्ष स्तर की टीम से भिड़ने को लेकर उत्साहित है। मनप्रीत ने हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति में कहा- पिछले एक साल से प्रतिस्पर्धी हॉकी नहीं खेलना बड़ा झटका था लेकिन महामारी के कारण प्रत्येक टीम के साथ ऐसा हुआ। अर्जेंटीना के इस दौरे में भारतीय टीम मेजबान टीम के खिलाफ कुल 6 मैच खेलेगी। इनमें एफआईएच प्रो लीग के दो मैच भी शामिल हैं जो 11 और 12 अप्रैल को खेले जाएंगे। मनप्रीत ने कहा- मैं निजी कारणों से यूरोप दौरे पर नहीं जा पाया था लेकिन मैंने मैचों पर करीबी नजर रखी तथा जर्मनी और ब्रिटेन के विरुद्ध प्रदर्शन उत्साहनजक रहा। हमारी निगाह अब एक और अजेय दौरे पर टिकी है। यह दौरा तोक्यो ओलंपिक खेलों की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। मनप्रीत का मानना है कि यह युवा खिलाडियों के लिए खुद को साबित करने का बेहतरीन मौका होगा। उन्होंने कहा- दौरे के लिए कुछ युवा खिलाड़ियों को टीम में चुना गया है और मेरा मानना है कि यह एक शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ खुद को साबित करने का उनके पास बेहतरीन मौका है।

आईपीएल में सीएसके को करना होगा तीन बड़ी चुनौतियों का सामना : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली।

पूर्व क्रिकेटर और मौजूदा कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग के इस सीजन में महेंद्र सिंह धोनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स को तीन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। फेसबुक पर पोस्ट किए एक वीडियो में आकाश चोपड़ा ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के सीनियर और टॉप खिलाड़ियों ने पिछले कुछ समय से प्रतियोगी क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने कहा ऐसे में टीम थोड़ी असुविधा का सामना कर सकती है। आईपीएल का आगाज 9 अप्रैल से होने जा रहा है।

टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच खेला जाएगा। इसके एक दिन बाद यान 10 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स अपना पहला मैच दिल्ली कैपिटल्स के साथ खेलना है। सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और सुरेश रैना पिछले साल अगस्त में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से रिटायर हो गए। तब से उन्होंने घरेलू क्रिकेट भी नहीं खेला है। अंबाती रायडू ने पिछले साल आईपीएल 2020 खेला था। चेन्नई के ऑल राउंडर और बेस्ट फील्डर रविंद्र जडेजा चोट से उबर कर वापसी करेंगे। आकाश चोपड़ा ने कहा सुरेश रैना, अंबाती रायडू, महेंद्र सिंह धोनी ने अंतरराष्ट्रीय या प्रतियोगी क्रिकेट नहीं खेला है। जडेजा चोट की वजह से क्रिकेट से दूर हैं। यानी सात में से चार टॉप परफॉर्मर अच्छी फॉर्म में नहीं हैं। वे रॉबिन उथप्पा और रुतुराज गायकवाड़ को खिला सकते हैं। फाफ डुप्लेसी भी ठीक हैं, लेकिन बचे हुए चार खिलाड़ियों का क्या होगा। यह उनके लिए बड़ी चुनौती होगी। इस साल के शुरू में चेन्नई सुपर किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स से रोबिन उथप्पा को खरीदा है। विजय हजारे ट्रॉफी में रोबिन उथप्पा ने 75.40 की औसत से 377 रन बनाए। रुतुराज गायकवाड़ ने हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 109 गेंदों पर शतक बनाया। आकाश चोपड़ा ने कहा सीएसके को पहले पांच मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेलने हैं। मुंबई तेज गेंदबाजों और हार्ड हिटर्स को फेवर करता है। चेन्नई सुपर किंग्स की स्पिन की जोड़ी के लिए यह भी एक चुनौती होगी। आकाश चोपड़ा ने कहा वानखेड़े स्टेडियम तेज गेंदबाजों की मदद करता है। पेसर 7 प्रतिशत विकेट लेते हैं। स्पिनरों के लिए यहां करने को बहुत कुछ नहीं होता। यहां यदि टीम को बड़ा स्कोर बनाना है तो टॉप ऑर्डर को रन बनाने होंगे। यही बात चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जाती है।

मैं यहां क्रिकेट का मजा लेने आया हूं, कुछ साबित करने नहीं : हरभजन

नई दिल्ली । भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि वह अब भी इसलिए खेल रहे हैं क्योंकि वह खेलना चाहते हैं और उन्हें किसी के सामने कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। हरभजन इंडियन प्रीमियर लीग में इस साल कोलकाता नाइटराइडर्स की तरफ से खेलेंगे और उनमें जितनी भी क्रिकेट बची है वह उसका पूरा लुत्फ उठाना चाहते हैं। हरभजन ने कहा- कई लोग सोचते हैं कि 'भाई ये क्यों खेल रहा है। अरे भाई ये उनकी सोच है मेरी नहीं। मेरी सोच है कि मैं अभी खेल सकता हूं तो मैं खेलूंगा। उन्होंने कहा- मुझे अब किसी के सामने कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। मेरा इरादा अच्छा खेल दिखाना और मैदान पर खेल का पूरा लुत्फ उठाना है। क्रिकेट खेलकर मुझे अब भी संतुष्टि मिलती है। इस ऑफ स्पिनर ने कहा- मैंने अपने लिए मानदंड स्थापित किए हैं और यदि मैं उनको पूरा नहीं करता हूं तो किसी अन्य को नहीं बल्कि स्वयं को दोष दूंगा। मैं तब स्वयं से प्रश्न करूंगा कि क्या मैंने पर्याप्त प्रयास किए थे। हरभजन ने 1998 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था और उनके नाम पर अब 700 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट दर्ज हैं। उन्होंने कहा- हां, मैं अब 20 साल का नहीं हूं और मैं वैसा अभ्यास नहीं करूंगा जैसा तब किया करता था। हां, मैं 40 साल का हूं और मैं जानता हूं कि मैं अब भी फिट हूं और इस स्तर पर सफल होने के लिए जो करना है वह जरूर करूंगा। मवुविप,करयटचतकहरभजन ने पिछले साल आईपीएल में नहीं खेलने के बारे में कहा- पिछले वर्ष जब आईपीएल हुआ तो भारत में कोविड-19 अपने चरम पर था। मैं अपने परिवार को लेकर चिंतित था और फिर भारत लौटने पर पृथकवास पर रहना था। लेकिन इस साल टूर्नामेंट भारत में हो रहा है और हम नई आदतों के आदी हो चुके हैं। उन्होंने कहा- टीका आ चुका है। इसके लिए अलावा मेरे परिवार ने मुझसे खेलने के लिये कहा। मेरी पत्नी (गीता) ने कहा कि मुझे खेलना चाहिए।

अभय सिंह ने चौथे वरीय खिलाड़ी को हराकर उलटफेर किया

चेन्नई । भारत के स्क्वाश खिलाड़ी अभय सिंह ने मंगलवार को यहां दूसरे एचसीएल एसआरएफआई इंडियन टूर - चेन्नई चरण 1 के पुरूष एकल मैच के दूसरे दौर में चौथी वरीयता प्राप्त फ्रांस के सेबेस्टियन बोनमालइस पर उलटफेर भरी जीत दर्ज की। भारतीय खिलाड़ी ने फ्रांसिसी प्रतिद्वंद्वी को 42 मिनट में 11-7, 11-7, 11-8 से हरा दिया। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी महेश मंगांवकर और दूसरे वरीय टॉड हैरिटी (अमेरिका) ने अपने प्रतिद्वंद्वियों पर आसान जीत दर्ज की। कनाडा के आठवीं वरीयता प्राप्त डेविड बेलारजियोन मिस्र के एली हुसैन से 75 मिनट में चार गेम तक चले मुकाबले में हारकर बाहर हो गये। महिलाओं की स्पर्धा में शीर्ष वरीय सुनयना कुरूविला ने हमवतन भारतीय खिलाड़ी वसुधा सूरंगे को महज 17 मिनट में 11-5, 11-4, 12-10 से हरा दिया। पीएसए चैलेंजर टूर टूर्नामेंट को शनिवार से शुरू होना था लेकिन दो खिलाड़ियों को कोविड-19 पॉजिटिव पाये जाने के बाद इसे दो दिन के लिये स्थगित कर दिया गया जिससे यह सोमवार से शुरू हुआ।

पटियाला और बेंगलुरू SAI केंद्रों में 30 खिलाड़ियों की कोविड-19 रिपोर्ट आई पॉजिटिव

नई दिल्ली ।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने बुधवार को कहा कि पटियाला और बेंगलुरू के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रो में कराये गये 741 एहतियाती परीक्षण में विभिन्न स्पर्धाओं से 30 खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ कोविड-19 पॉजिटिव आये हैं। हालांकि दोनों केंद्रों पर कोविड-19 मामलों में तोक्यो ओलंपिक दल के साथ जाने वाला कोई एथलीट शामिल नहीं है। साइ के एक सूत्र ने पुष्टि की कि भारतीय पुरूष मुक्केबाजी के मुख्य कोच सीए कुटप्पा और शॉट पुट कोच मोहिंदर सिंह ढिल्लों उनमें शामिल हैं जिन्हों हाल में हुए परीक्षण में पॉजिटिव पाया गया है। बाद में साइ ने एक बयान भी जारी किया जिसमें बताया गया कि पटियाला में 313 और बेंगलुरू में 428 परीक्षण कराये गये। पटियाला में 26 पॉजिटिव मामले मिले जबकि बेंगलुरू में इनकी संख्या चार है। साइ ने बयान में कहा, ''ओलंपिक दल के एथलीटों, कोचों और सहयोगी स्टाफ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए साइ ने पटियाला और बेंगलुरू में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रो में एहतियातन आरटी-पीसीआर परीक्षण कराए। आज मिली रिपोर्ट में पता चला कि दोनों केंद्रों से ओलंपिक दल के साथ जाने वाले सभी एथलीट कोविड-19 नेगेटिव हैं। पता चला है कि पटियाला में 26 मामलों में 16 खिलाड़ी और बाकी सहयोगी स्टाफ हैं। साइ सूत्र ने कहा कि इन 16 पॉजिटिव मामलों में 10 मुक्केबाज और छह ट्रैक एवं फील्ड एथलीट हैं। बेंगलुरू में पैदल चाल स्पर्धा के एक कोच पॉजिटिव आये हैं। उन्होंने कहा कि अच्छी चीज यह है कि वे ओलंपिक जाने वाले खिलाड़ी नहीं हैं। इन पॉजिटव आये एथलीटों को पृथकवास में रखा गया है और पूरे परिसर को सैनिटाइज किया गया है। साइ सूत्र ने यह भी पुष्टि की कि दोनों केंद्रों में पॉजिटिव मामलों से ओलंपिक दल के खिलाड़ियों की तैयारियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ट्रेनिंग निर्लंबित करने का कोई सवाल ही नहीं है। कोविड-19 पॉजिटिव मामलों को साइ परिसर में अलग से पृथकवास में रखा गया है और उन्हें कोई गंभीर परेशानी नहीं है। एनआईएस में मुख्यतः ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले मुक्केबाज, ट्रैक एवं फील्ड एथलीट और भारोत्तोलकों के अलावा अन्य स्पर्धाओं के एथलीट भी रहते हैं। हालांकि सभी भारोत्तोलक वायरस की जांच में नेगेटिव आये हैं। जिन मुक्केबाजों को पॉजिटिव पाया गया है, उनमें एशियाई रजत पदक विजेता दीपक कुमार और इंडिया ओपन के स्वर्ण पदक विजेता संजीत शामिल हैं।

जेसन रॉय सनराइजर्स हैदराबाद के साथ जुड़े, बेयरस्टो के साथ मिलकर मचाएंगे धमाल

नई दिल्ली । इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जैसन रॉय को नौ अप्रैल से शुरू होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग के लिए मिशेल मार्श की जगह सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में शामिल किया गया है क्योंकि यह आस्ट्रेलियाई आल राउंडर निजी कारणों से पूरे चरण में उपलब्ध नहीं होगा। मार्श 2020 चरण के पहले मैच में चोटिल हो गए थे और वह इसके बाद नहीं खेल सके। आईपीएल अपडेट के अनुसार- सनराइजर्स हैदराबाद ने इंग्लैंड के जैसन रॉय को मिशेल मार्श की जगह शामिल किया है जिन्होंने निजी कारणों से पूरे सत्र से खुद को उपलब्ध नहीं बताया है। मार्श ने 2010 में अपना आईपीएल पर्दापण किया था, उन्होंने इस लीग में कुल 21 मैच खेले हैं। वहीं रॉय ने 2017 में गुजरात लायंस के लिए खेलते हुए अपना आईपीएल पदार्पण किया था और बाद में वह दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) के लिए 2018 में खेले थे। रॉय ने कुल आठ मैच खेलकर एक अर्धशतक से 179 रन बनाए हैं। हैदराबाद की टीम ने रॉय को उनके दो करोड़ रुपए के आधार मूल्य में शामिल किया है। रॉय का प्रदर्शन हाल में भारत के खिलाफ वनडे और टी20 श्रृंखला में ठीक ठाक रहा था लेकिन वह अच्छी शुरूआत को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नवरात्रों में दर्शन करें काशी की विशालाक्षी माँ के

काशी विशालाक्षी मंदिर हिन्दू धर्म के प्रसिद्ध 51 शक्तिपीठों में से एक है। यह मंदिर उत्तर प्रदेश के प्राचीन नगर काशी (वाराणसी) में काशी विश्वनाथ मंदिर से कुछ ही दूरी पर स्थित है। ऐसी मान्यता है कि यह यह शक्तिपीठ मां दुर्गा की शक्ति का प्रतीक है। हर साल लाखों श्रद्धालु इस शक्तिपीठ के दर्शन करने के लिए आते हैं। यहां आने वाले हिंदू श्रद्धालु विशालाक्षी को मणिकर्णी के नाम से भी जानते हैं।

पौराणिक कथा

हिन्दुओं की मान्यता के अनुसार यहां देवी सती के दाहिने कान के कुंडल गिरे थे। यहां पर भक्त शुरू से ही देवी मां के रूप में विशालाक्षी तथा भगवान शिव के रूप में काल भैरव की पूजा करते आ रहे हैं। दुर्गा पूजा के समय विशालाक्षी मंदिर में भक्तों की भीड़ देखते ही बनती है। इस दौरान यहां भक्त दिन-रात मां दुर्गा की आराधना करते हैं।

काशी विश्वनाथ मंदिर

हिंदू धर्म में काशी विश्वनाथ का अत्यधिक महत्व है। कहते हैं काशी तीनों लोकों में न्यारी नगरी है, जो भगवान शिव के त्रिशूल पर विराजती है। मान्यता है कि जिस जगह ज्योतिर्लिंग स्थापित है वह जगह लोप नहीं होता और जस का तस बना रहता है। कहा जाता है कि जो श्रद्धालु इस नगरी में आकर भगवान शिव का पूजन और दर्शन करता है उसको समस्त पापों से मुक्ति मिलती है। काशी विशालाक्षी मंदिर के पास और दूसरे स्मारक भी हैं जिन्हें आप देख सकते हैं जैसे काल भैरव मंदिर, पर्यटक स्थल ओम शांति योग निकेतन, शिव म्यूजिकल हाउस आदि।

कैसे पहुंचें

उत्तर भारत में स्थापित काशी विशालाक्षी मंदिर के दर्शन करने के लिए आपको सबसे पहले वाराणसी शहर में आना होगा। इसके लिए यातायात की अच्छी व्यवस्था की गई है। आप या तो हवाई यात्रा करके वाराणसी पहुंच सकते हैं या फिर रेल और सड़क के जरिए पवित्र काशी नगरी जा सकते हैं।

गंगा में डुबकी लगा करें विश्वनाथ के दर्शन

वाराणसी को बनारस तथा काशी के नाम से ही जाना जाता है जो उत्तर प्रदेश राज्य के उत्तरी भारत में प्रमुख शहर है। पवित्र नदी गंगा के किनारे स्थित इस शहर का हिन्दुओं के लिए अत्यंत धार्मिक महत्व है। वाराणसी काशी विश्वनाथ मंदिर का घर है जो भगवान शिव का समर्पित है। इसमें बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक स्थापित हैं। ऐसा कहा जाता है कि यह मंदिर कई बार बनाया गया। नवीनतम संरचना जो आज यहां दिखाई देती है वह 18वीं शताब्दी में बनी थीं। हजारों धार्मिक यात्री यहां पवित्र ज्योतिर्लिंगम के दर्शन करने के लिए उनके अभिषेक के अवसर पर यहां जमा होते हैं, जिसमें गंगा नदी का पानी लिया जाता है।

इसके धार्मिक महत्व के अलावा यह मंदिर वास्तुकला की दृष्टि से भी अनुपम है। इसका भव्य प्रवेश द्वार देखने वालों की दृष्टि में मानो बस जाता है। ऐसा कहा जाता है कि एक बार इंदौर की रानी अहिल्या बाई होलकर के स्वप्न में भगवान शिव आए। वे भगवान शिव की भक्त थीं और इसलिए उन्होंने 1777 में यह मंदिर निर्मित कराया। विश्वनाथ खण्ड को पुरान शहर भी कहा जाता है जो दशाश्व मेध घाट और गोदुलिया के बीच मणिकर्णिका घाट के दक्षिण और पश्चिम तक नदी की उत्तर दिशा में वाराणसी के मध्य स्थित है। यह पूरा क्षेत्र ही घूमने योग्य है जहां अनेक मठ और लिंग हर कोने में दिखाई देते हैं और यहां धार्मिक यात्रियों, पंडों की गतिविधियां तथा भक्तों को मंदिर में अर्पित करने की सामग्री की दुकानें बड़ी संख्या में हैं।

सकरी गलियों से विश्वनाथ गली तक पहुंचते हुए यह विश्वनाथ या विश्वेश्वर मंदिर सभी के भगवान माने जाते हैं और इसके शिखर पर स्वर्ण लेपन होने के कारण इसे स्वर्ण मंदिर भी कहते हैं। परिसर के अंदर, जो एक दीवार के पीछे छुपा है और यहां एक अत्यंत अनोखे प्रकार के द्वार से पहुंचा जाता है, जो भारत का सबसे महत्वपूर्ण शिवलिंग है और यह चिकने काले पत्थर से बना हुआ है और इसे ठोस चांदी के आधार में रखा गया है। महाकाल और दण्ड पाणी के करुद्ध संरक्षकों के आश्रम और अविमुक्तेश्वर के लिंग भी इस मंदिर के संकुल में हैं। यहां भक्त जन आकर संकल्प करते हैं और पंच तीर्थ यात्रा शुरू करने के पहले अपने मन की भावना यहां व्यक्त करते हैं। मुख्य सड़क पर कुछ उत्तर दिशा में 13वीं शताब्दी में बनी रजिया की मस्जिद दिखाई देती है जो पूर्व विश्वनाथ मंदिर के भग्नावशेषों के साथ खड़ी है।

वाराणसी एक ऐसा स्थान कहा जाता है जहां प्रथम ज्योतिर्लिंग है, शिव द्वारा प्रकाश के उज्जवल स्तंभ से अन्य देवाओं पर उनकी श्रेष्ठता प्रदर्शित होती है जो पृथ्वी की पर्त तोड़ कर निकली और स्वर्ग की ओर इसकी ज्वाला गई। यहां घाटों और गंगा नदी के अलावा मंदिर में स्थापित शिव लिंग वाराणसी का धार्मिक आकर्षण बना हुआ है।

बनारस शहर में अनगिनत मंदिर हैं। जगन्नाथ मंदिर अस्सीघाट के निकट स्थित है। इस मंदिर का निर्माण 17वीं शताब्दी में पुरी के प्रसिद्ध मंदिर के अनुकृति के रुप में किया गया था। आषाढ़ महीने (जून-जुलाई) में यहां भी रथ यात्रा आयोजित की जाती है। लक्ष्मीनारायण पंचरत्न मंदिर भी अस्सीघाट के निकट है। अस्सी संगमेश्वर मंदिर भी यहीं पर है।

अन्नपूर्णा मंदिर- काशी विश्वनाथ मंदिर से कुछ ही दूरी पर माता अन्नपूर्णा का मंदिर है। इन्हें तीनों लोकों की माता माना जाता है। कहा जाता है कि इन्होंने स्वयं भगवान शिव को खाना खिलाया था। इस मंदिर की दीवाल पर चित्र बने हुए हैं। एक चित्र में देवी कलछी पकड़ी हुई हैं।

साक्षी गणेश मंदिर- पंचकरोशी यात्रा को पूरा कर तीर्थयात्री साक्षी गणेश मंदिर को देखने जरुर आते हैं। इस मंदिर के दर्शन के बाद ही वे अपनी यात्रा को पूर्ण मानते हैं।

लोलार्क कुंड- तुलसीघाट से पैदल दूरी पर पवित्र लोलारक कुंड है। महाभारत में भी इस कुण्ड का उल्लेख मिलता है। रानी अहिल्याबाई होल्कर ने इस कुण्ड के चारों तरफ कीमती पत्थर से सजावट करवाई थी। यहां पर लोलाकेश्वर का मंदिर है। भादो महीने (अगस्त-सितम्बर) में यहां मेला लगता है।

दुर्गा कुंड- अस्सी रोड से कुछ ही दूरी पर आनन्द बाग के पास दुर्गा कुण्ड है। यहां संत भास्करानंद की समाधि है। यहां पर एक दुर्गा मंदिर भी है। मंगलवार और शनिवार को इस मंदिर में भक्तों की काफी भीड़ रहती है। इसी के पास हनुमान जी का संकटमोचन मंदिर है। महत्ता की दृष्टि से इस मंदिर का स्थान काशी विश्वनाथ और अन्नपूर्णा मंदिर के बाद आता है।

केदारेश्वर मंदिर- केदार घाट के पास केदारेश्वर मंदिर है। यह मंदिर 17वीं शताब्दी में औरंगजेब के कहर से बच गया था। इसी के समीप गौरी कुण्ड है। इसी को आदि मणिकार्णिका या मूल मणिकार्णिका कहा जाता है।

मणिकार्णिका घाट के समीप विष्णु चरणपादुका है। इसे मार्बल से चिन्हित किया गया है। इसे काशी का पवित्रतम स्थान कहा जाता है। अनुश्रुति है कि भगवान विष्णु ने यहां ध्यान लगाया था। इसी के समीप मणिकार्णिका कुण्ड है। माना जाता है कि भगवान शिव का मणि तथा देवी पार्वती का कर्णफूल इस कुण्ड में गिरा था। चक्रपुष्करणी एक चौकोर कुण्ड है। इसके चारो ओर लोहे की रेलिंग बनी हूई है। इसे विश्व को पहला कुण्ड माना जाता है। यहां का काली भैरव मंदिर भी प्रसिद्ध है। यह मंदिर गोदौलिया चौक से 2 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में टाउन हॉल के पास स्थित है। इसमें भगवान शिव की रौद्र मूर्ति स्थापित है। इसी के नजदीक बिंदू महावीर मंदिर है। यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय- यह विश्वविद्यालय गोदौलिया चौक से 31.5 किलोमीटर दक्षिण में है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना पंडित मदन मोहन मालवीय ने की थी। यहां का भारत कला भवन संग्रहालय काफी समृद्ध है। इस संग्रहालय में लगभग 100000 वस्तुएं हैं जो नौ गैलरियों में रखी गई हैं। इसी परिसर में प्रसिद्ध विश्वनाथ मंदिर भी है। मानसिंह वेधशाला भी इसी परिसर में स्थित है। पत्थरों की बनी यह वेधशाला के अब ध्वंशावशेष ही शेष बचे हैं। यह वेधशाला पर्यटकों के लिए सूर्योदय से सूर्यास्त तक खुली रहती है। शुक्रवार तथा सार्वजनिक अवकाश के दिन यह बंद रहता है। मन मंदिर घाट के पास एक स्मारक भी है। नदी के दूसरी ओर रामनगर किला तथा संग्रहालय है। (समय10-30 बजे सुबह से शाम 4-30 बजे तक, जुलाई से अप्रैल महीने तक, 7-30 बजे सुबह से 12-30 दोपहर तक मई से जून महीने के बीच, रविवार तथा विश्वविद्यालय में छुट्टी के दिन बंद)

मंदिर और धर्मिक ज्ञान की पाठशाला बनारस

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

अगले सप्ताह तक कोविड-19 हालात नहीं सुधरे तो कड़ी पाबंदियां लगाई जा सकती हैं: अमरिंदर सिंह

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिन्दर सिंह ने बुधवार को कहा कि आठ अप्रैल को राज्य में कोविड-19 हालात की समीक्षा के बाद कड़ी पाबंदियां लगाने का निर्णय लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अगले सप्ताह तक हालात नहीं सुधरने पर कड़ी पाबंदिया लगाने की चेतावनी दी है। इससे पहले मंगलवार को पंजाब सरकार ने कोविड-19 जांच और टीकाकरण तेज करने का आदेश जारी करते हुए राज्य में दस दिन तक सभी स्कूल और कॉलेज बंद रखने का निर्देश दिया था। पंजाब में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में रोजाना वृद्धि देखी जा रही है। हर रोज संक्रमण के दो हजार से अधिक मामले सामने आ रहे हैं। इसके अलावा मृतकों की संख्या में भी वृद्धि देखी जा रही है। मंगलवार को राज्य में कोविड-19 के 65 रोगियों की मौत हुई है।

जबलपुर के मझौली में 100 एकड़ की गेहूं फसल आग में जलकर खाक

जबलपुर। मध्य प्रदेश में जबलपुर जिले के मझौली थानांतर्गत ग्राम पोला में मंगलवार दोपहर किसानों में अफरातफरी व भगदड़ मच गई, जब उनकी खड़ी फसल में आग लग गई। आग ने कुछ ही देर में लगभग सौ एकड़ के रकवे को अपनी चपेट में ले लिया। यही नहीं देखते ही देखते किसानों की मेहनत धू-धू कर जलने लगी, इस बीच किसानों ने आग बुझाने की कोशिश की लेकिन आग विकराल रुप धारण कर चुकी थी। जबकि घटना की जानकारी मिलते ही फायर बिग्रेड के वाहन पहुंच गए, जिन्होने आग पर काबू पाने के असफल प्रयास किये। लोगों ने बताया कि ग्राम पौला मझौली में सौ एकड़ के क्षेत्र में किसानों ने अपने-अपने खेतों पर फसल लगाई है, जहां पर आज दोपहर दो बजे के वक्त हाईटेंसन बिजली लाईन से अचानक आग लग गई। खड़ी फसल के एक हिस्से में लगी आग को देखकर किसानों में चीख पुकार मच गई। जिन्होने आग बुझाने के लिए चारों ओर से पानी फेंकना शुरु कर दिया, लेकिन उस वक्त तक आग बढ़ती ही चली गई और सौ एकड़ के हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रुप धारण कर लिया, जिसकी लपटें दूर-दूर तक दिखाई देने लगी। आग की लपटे, आसपास की ओर उठ रहे काले धुएं को देखकर आसपास के किसान भी पहुंच गए। जिन्होने चारों ओर फैली आग देखी तो वे भी स्तब्ध रह गए।

कोरोना के बढ़ते मामले देख महाराष्ट्र को कड़े कदमों के लिए तैयार रहना चाहिए: टोपे

मुंबई। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बुधवार को कहा कि राज्य में कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए आने वाले दिनों में लोगों को कड़े कदमों के लिए तैयार रहना चाहिए। टोपे ने यहां पत्रकारों से कहा कि जान बचाना सरकार की प्राथमिकता है। महाराष्ट्र में पिछले सप्ताह से कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने रविवार को अधिकारियों से कहा था कि वे लॉकडाउन के कार्यान्वयन के लिए एक योजना तैयार करें, जिसका राज्य की अर्थव्यवस्था पर न्यूनतम प्रभाव पड़ेगा। राकांपा के नेता टोपे ने मंगलवार को कहा था कि लॉकडाउन राज्य सरकार के लिए अंतिम विकल्प है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बुधवार को कहा, ''राज्य में लोगों को आने वाले दिनों में कड़े कदमों के लिए तैयार रहना चाहिए, क्योंकि कोविड-19 के मामले बढ़ रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि राज्य सरकार लॉकडाउन लागू नहीं करना चाहती है लेकिन जान बचाना सर्वोपरि है। इसलिए राज्य कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए कड़े उपाय अपना सकता है।'' महाराष्ट्र में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 27,918 नये मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 27,73,436 पर पहुंच गई थी। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इस महामारी से मंगलवार को 139 और मरीजों की मौत होने से राज्य में मृतकों की संख्या बढ़कर 54,422 पर पहुंच गई थी।

हाई कोर्ट ने 'ऑपरेशन कमल' मामले में जांच को दी मंजूरी, जेडीएस नेता के बेटे ने दर्ज कराई थी एफआईआर, जानें पूरा मामला

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को ऑपरेशन कमल मामले में तगड़ा झटका लगा है। हाई कोर्ट ने इस मामले में जांच को मंजूरी दे दी है। इस मामले को लेकर जनता दल सेकुलर (जेडीएस) के नेता नगर गौड़ा के बेटे शरण गौड़ा की तरफ से एफआईआर दर्ज कराई गई थी। जिसके बाद दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की गई लेकिन कोर्ट ने एफआईआर रद्द करने की मांग वाली याचिका को ही रद्द करते हुए जांच की मंजूरी दे दी है। गौरतलब है कि कर्नाटक के सीएम येदियुरप्पा का एक कथित वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वो हुबली में बीजेपी की कोर कमेटी को संबोधित करने दिखाई पड़ रहे थे। कथित तौर पर उन्हें कहते सुना गया कि बीजेपी के राष्ट्रीय नेताओं, जिसमें अमित शाह भी शामिल थे, उनके निर्देश पर राज्य में ऑपरेशन कमल चलाया गया था। इस दौरान एक दिलचस्प बात ये नजर आई कि इस वीडियो में सिर्फ ऑडियो ही कैप्चर हुआ, लेकिन सभा को संबोधित करते सीएम नहीं दिख रहे थे।

पश्चिम बंगाल में ममता अपना आधार खो चुकी हैं, गोत्र पर बोलना हताशा का संकेत : जावड़ेकर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बुधवार को कहा कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को अब महसूस हो चुका है कि पश्चिम बंगाल में वह जनाधार खो चुकी हैं और वह हताशा में अपने 'गोत्र' के बारे में बोल रही हैं, लेकिन इस 'नाटक' की मदद से उनकी पार्टी को विधानसभा चुनाव जीतने में कोई मदद नहीं मिलेगी। जावड़ेकर ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 'आप अपने गोत्र के बारे में बोल रही हैं और 'जय श्री राम' का विरोध कर रही हैं, दुर्गा पूजा के दौरान माता दुर्गा के प्रतिमा विसर्जन की भी अनुमति आपने नहीं दी। लोग अब सब समझ रहे हैं कि कौन वास्तविक है और कौन नहीं।' भाजपा नेता ने दावा किया कि राज्य की जनता भाजपा को सत्ता सौंपने का मन बना चुकी है और लोकसभा चुनाव परिणाम ने (ममता) बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को खारिज करने की जनता की इच्छा का संकेत दे दिया था। नंदीग्राम में चुनाव अभियान समाप्त करने के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने भाषण के दौरान कहा था कि उनका गोत्र शांडिल्य है। ममता ने नंदीग्राम में कहा था, ''मैं एक मंदिर में गयी थी, जहां पुजारी ने मुझसे मेरा गोत्र पूछा था। मैने उन्हें कहा -मां, माटी, मानुष' लेकिन असल में मैं शांडिल्य हूं।' मुख्यमंत्री नंदीग्राम से चुनाव मैदान में हैं जहां उनका मुख्य मुकाबला उनके पूर्व सहयोगी और अब भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी से है। जावड़ेकर ने बनर्जी को याद कराया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी अपने 'गोत्र' के बारे में बोला था, और उनकी पार्टी 'बुरी तरह' चुनाव हार गयी। उन्होंने कहा, ''अब वह अपना गोत्र बता रही हैं और वह भी बुरी तरह से हारेंगी क्योंकि इससे यह पता चलता है कि वह वास्तविक नहीं हैं क्योंकि चुनाव की पूर्व संध्या पर वह अपने गोत्र के बारे में बता रही हैं।'' जावड़ेकर ने कहा कि अपने गोत्र का खुलासा करने से तृणमूल कांग्रेस को कोई मदद नहीं मिलेगी। भाजपा ने आरोप लगाया है कि चुनाव को देखते हुये अब ममता बनर्जी को हिंदू होने की याद आ रही है हालांकि उन्होंने अपने शासन के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय के तुष्टिकरण की नीति का पालन किया। इस पर तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा पर सांप्रदायिक विभाजन का प्रयास करने का आरोप लगाया। जावड़ेकर ने संवाददाताओं से कहा, ''यह हताशा की पराकाष्ठा है। उन्हें (ममता को) यह महसूस हो चुका है कि उन्होंने आधार खो दिया है और अंतिम क्षणों में ऐसे नाटक काम नहीं करते हैं।

2019 के लोकसभा चुनाव में बंगाल की आवाम ने तृणमूल कांग्रेस को खारिज कर दिया और इस बार वह पूरी तरह से बाहर हो जायेंगी और भाजपा सत्ता में आयेगी। ममता बनर्जी की तरफ से पार्टी के भीतर 'गद्दार' का पता लगाने की धमकी के बारे में जावड़ेकर ने कहा कि यह भी हताशा का एक संकेत है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने लोकसभा चुनाव में यह बता दिया था कि वे तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ हैं और भाजपा के साथ हैं। उन्होंने दावा किया कि यही कारण है कि भाजपा बंगाल चुनाव जीतेगी।

सरकार का चेहरा भले बदल जाए, पर काम जारी रहता है: त्रिवेंद्र सिंह रावत

कोटद्वार (उत्तराखंड)। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार का चेहरा भले ही बदल गया हो, लेकिन उनके द्वारा शुरू किए गए काम जारी हैं। इसी महीने त्रिवेंद्र सिंह रावत के स्थान पर तीरथ सिंह रावत को प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया था। त्रिवेंद्र के कार्यकाल के चार साल पूरा होने से नौ दिन पहले ही तीरथ सिंह रावत को नया मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया था। त्रिवेंद्र रावत ने कहा कि महिलाओं के उत्थान और गरीबों के कल्याण के लिए शुरू की गई योजनाएं उनके कार्यकाल की उपलब्धियों में शामिल हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने यहां पनियाली गेस्ट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि भले ही सरकार का चेहरा बदल गया हो, लेकिन उनके द्वारा शुरू किए गए कार्य बिना किसी बाधा के चलते रहेंगे। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान महिलाओं के उत्थान और गरीबों के कल्याण के लिए शुरू की गयी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन योजनाओं के जरिए लोगों को सशक्त बनाने का प्रयास किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में सौर ऊर्जा संयंत्रों का विस्तार उनके कार्यकाल की एक और उल्लेखनीय उपलब्धि है। उन्होंने कहा, ''इसके परिणामस्वरूप, पर्वतीय क्षेत्रों में आज कई स्थानों पर सौर ऊर्जा संयंत्र देखे जा सकते हैं। कई संयंत्र अभी तैयार हो रहे हैं।'' हाल ही में तीरथ सिंह रावत द्वारा पौड़ी जिले में पीडब्ल्यूडी के दो इंजीनियरों को निलंबित किए जाने के संबंध में पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को निलंबित करना या नहींकरना मुख्यमंत्री का विशेषाधिकार है। उन्होंने तीरथ सिंह रावत के हालिया विवादास्पद बयानों के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की।

मैं मोदी की तरह नहीं हूं जो हफ्ते के सातों दिन 24 घंटे झूठ बोलते हैं: राहुल गांधी

चायगांव/बरखेत्री (असम)। (एजेंसी)।

भाजपा पर जुबानी हमला करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरह नहीं हैं जो हफ्ते के सातों दिन 24 घंटेझूठ बोलते हैं। गांधी ने असम के कामरूप जिले में चायगांव निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए लोगों से आग्रह किया कि अगर वे सच जानना चाहते हैं तो उनकी बात सुने। उन्होंने कहा, 'मैं यहां आपसे झूठ बोलने नहीं आया हूं। मेरा नाम नरेंद्र मोदी नहीं है। अगर आप असम, किसानों या अन्य किसी मुद्दे पर उनके द्वारा बोले गए झूठ को सुनना चाहते हैं तो टीवी चालू करें। वह भारत से हफ्ते के सातों दिन 24 घंटेझूठ बोलते हैं। अगर आप सच सुनना चाहते हैं तो मेरी बात सुने।'

उन्होंने कहा कि वादे के मुताबिक कांग्रेस ने छतीसगढ़ में सत्ता प्राप्त करने के छह घंटे के भीतर किसानों के कर्ज को माफ कर दिया था और पूर्ववर्ती संप्रग सरकार ने किसानों के अनुरोध पर 70 हजार करोड़ रुपये के कृषि कर्ज माफ कर दिए थे। गांधी ने कहा, 'विभिन्न भाषाओं, समुदायों और विचारधारा के लोग शांति से मेरीबात सुन रहे हैं। यह असम है। लेकिन भाजपा एक भाई को दूसरे से लड़वाती है और घृणा फैलाती है। वे चाय बागान के ठेके बाहरी लोगों को देते हैं।' उन्होंने कहा, 'जब कांग्रेस सत्ता में आएगी तो असम अपना मुख्यमंत्री चुनेगा। प्रदेश नागपुर (आरएसएस मुख्यालय) या दिल्ली से शासित नहीं होगा।' गांधी ने दावा किया कि कांग्रेस ने चाय बागान में काम करने वालों, युवाओं और महिलाओं से बातचीत के बाद चुनावी वादे के तौर पर पांच तरह की गारंटी दी हैं। उन्होंने कहा, 'लोग चाहते हैं कि संशोधित नागरिकता कानून लागू न हो, युवाओं को रोजगार मिले, चाय के बागान में काम करने वालों का वेतन बढ़ाकर 365 रुपये किया जाए, हर घर को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाए और गृहणियों को दो हजार रुपये की वित्तीय सहायता दी जाए। हमने आपकीमांगों को स्वीकार किया है। हमारा मुख्यमंत्री इन्हें पूरा करेगा।'

नलबाड़ी जिले के बरखेत्री निर्वाचन क्षेत्र में एक अन्य चुनावी रैली में गांधी ने कहा कि मोदी ने नोटबंदी और जीएसटी तथा अन्य प्रकार के कर लगाकर विशेष रूप से असम में रोजगार के अवसर खत्म कर दिए हैं। गांधी ने कहा, 'मोदी ने रोजगार के सभी अवसर खत्म कर दिए हैं और आपके हवाई अड्डे, चाय के बागान यहां तक तेलभी अपने दो-तीन उद्योगपति मित्रों को दे दिया हैं।' असम में 39 सीटों के लिए दूसरे चरण का मतदान बृहस्पतिवार को होगा।

संयुक्त किसान मोर्चा का ऐलान, मई में संसद तक पैदल मार्च करेंगे किसान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने बुधवार को कहा कि दिल्ली की सीमाओं पर नये कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसान मई में ससंद तक पैदल मार्च करेंगे। मोर्चा ने अगले दो महीनों के लिए अपनी योजनाओं की घोषणा करते हुए कहा, ''मोर्चा की कल बैठक हुई थी जिसमें फैसला लिया गया कि किसान संसद तक मार्च करेंगे। मार्च की तिथि अब तक तय नहीं हुई है।'' किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी ने कहा, ''इसमें न केवल किसानों को, बल्कि बल्कि महिलाओं,बेरोजगार व्यक्तियोंऔर श्रमिकों को भी शामिल किया जाएगा जो आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं।'' चढूनी ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मार्च ''शांतिपूर्ण ढंग'' से निकाला जायेगा और इस बात का विशेष ध्यान रखा जायेगा कि ''26 जनवरी को जो घटना हुई थी, उसकी पुनरावृत्ति नहीं हो।' नेताओं ने संसद मार्च में पुलिस कार्रवाई होने पर प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए एक समिति बनाने संबंधी अपनी योजना भी साझा की। उन्होंने कहा, ''प्रदर्शनकारियों को स्पष्ट कर दिया जाएगा कि एसकेएम सभी प्रकार की हिंसा की निंदा करता है। इसलिए प्रदर्शनकारियों को पता होना चाहिए कि अगर उनके द्वारा संपत्ति को कोई नुकसान हुआ है, तो उन्हें जुर्माना देना होगा।'' किसान नेताओं ने 10 अप्रैल को 24 घंटे के लिए कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे को अवरुद्ध करने की भी घोषणा की। एक अन्य किसान नेता ने कहा, ''हम केएमपी एक्सप्रेसवे को 10 अप्रैल को 24 घंटे के लिए अवरुद्ध करेंगे, जो कि 10 अप्रैल को पूर्वान्ह 11 बजे से अगले दिन पूर्वान्ह 11 बजे तक होगा।'' उन्होंने कहा, ''हम ऐसा इसलिए करेंगे क्योंकि सरकार हमारी नहीं सुन रही है। यह सो रही है। इस सरकार को जगाना है।'' आंदोलन के दौरान जिन किसानों की मौत हुई है, उनके सम्मान में छह मई को एक कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। आंबेडकर जयंती और श्रमिक दिवस मनाने के लिए अलग-अलग कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

उत्तर भारत के मैदानी इलाकों को लू से कुछ राहत मिलेगी, तीन अप्रैल से फिर लू चलने की आशंका

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

मौसम विभाग ने बुधवार को कहा कि लू का सामना कर रहे उत्तर भारत के मैदानी इलाकों को अगले दो दिन में कुछ राहत मिलेगी क्योंकि तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने की संभावना है। इसने कहा कि राहत हालांकि कुछ समय के लिए ही होगी और मैदानी इलाकों में तीन अप्रैल से फिर लू चलने की आशंका है। पिछले चार-पांच दिन में देश के कई हिस्सों में, खासकर राजस्थान में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच चुका है। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को ''भीषण'' लू चली क्योंकि तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया जिससे 76 साल में मार्च का यह सबसे गर्म दिन साबित हुआ।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि गुजरात से हरियाणा तक क्षेत्रों के बीच दबाव भिन्नता रही। इसके अलावा राजस्थान से भी गर्मी स्थानांतरित हुई जो पहले से ही लू का सामना कर रहा था। मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं लू विशेषज्ञ नरेश कुमार ने कहा कि पाकिस्तान से भी गर्मी स्थानांतरित हुई और पाकिस्तान के एक मौसम केंद्र में इसी अवधि में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कुमार ने कहा कि एक पश्चिमी विक्षोभ भी था, लेकिन यह मैदानी इलाकों में नमी लेकर नहीं आया, इसलिए तापमान में वृद्धि हुई। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में कहा, 'अगले दो दिन में उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट की संभावना है जिससे आज (31 मार्च) से राजस्थान को लू से राहत मिलने की संभावना है।' इसने कहा कि 31 मार्च से एक अप्रैल तक राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल में धूल भरी हवाएं (30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से)चलने की संभावना है।

उत्तर भारत में अप्रैल से जून तक दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान : आईएमडी

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गर्मियों से संबंधित अपने पूर्वानुमान में कहा है कि उत्तर और पूर्वी भारत में अप्रैल से जून तक दिन का तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है। आईएमडी ने कहा कि दक्षिण भारत के अधिकतर हिस्सों, पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों, पूर्वोत्तर आदि क्षेत्रों में अधिकतम तापमान के सामान्य स्तर से कम रहने का अनुमान है। मौसम विज्ञान विभाग ने कहा, 'आगामी गर्मियों के मौसम (अप्रैल से जून)में, उत्तर, उत्तर-पश्चिम के अधिकांश हिस्सों और पूर्व मध्य भारत के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान के सामान्य से ऊपर रहने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि देश के कई हिस्सों में मार्च महीने में ही अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया।

कश्मीर से 370 हटने के बाद से ठप था ट्रेड, 19 माह बाद पाक ने भारत से व्यापार बहाली का किया फैसला

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत से व्यापार को लेकर इमरान की कैबिनेट ने बड़ा फैसला लिया है। आर्थिक मामलों से जुड़ी कैबिनेट ने भारत के साथ व्यापार को मंजूरी दे दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पाकिस्तान की ओर से दो साल बाद भारत से कपास, धागा और चीनी के आयात से रोक हटाई है। पाकिस्तान की इकॉनमी को-ऑर्डिनेशन काउंसिल ने ये फैसला लिया है। पाकिस्तान ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद भारत से इंपोर्ट बंद कर दिया था। इधर भारत ने भी पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान से आने वाले सभी सामानों पर 200 प्रतिशत की ड्यूटी लगा दी थी। जिसके बाद से ही दोनों देशों के बीच व्यापार बंद पड़ा था। लेकिन चीनी की बढ़ती कीमतों और संकटों से जूझ रहे कपड़ा उद्योग को बचाने के लिए पाकिस्तान की इमरान सरकार ने भारत के साथ व्यापार फिर से शुरू करने को मंजूरी दी।

पीएम मोदी ने लिखा पत्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इमरान खान को पाकिस्तान नेशनल डे के मौके पर बधाई का पैगाम भेजा। पीएम मोदी ने अपने पत्र में पाकिस्तान के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों की आकांक्षा की बात करते हुए कहा था कि विश्वास का वातावरण, आतंक और बैर रहित माहौल इसके लिए अनिवार्य है। पीएम मोदी ने लिखा कि मान्यवर, मानवता के इस बेहद कठिन काल में मैं आपको और पाकिस्तान की जनता को कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के लिए भी शुभेच्छा देना चाहूंगा।

पाकिस्तान दिवस के मौके पर पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उन्हें भेजी गई बधाइयों के जवाब में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिख कर कहा है कि जम्मू कश्मीर मुद्दा सहित दोनों देशों के बीच लंबित सभी मुद्दों का समाधान करने को लेकर सार्थक और नतीजे देने वाली वार्ता के लिए अनुकूल माहौल बनाना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी के पत्र के जवाब में खान ने उनका शुक्रिया अदा किया और कहा कि पाकिस्तान के लोग भारत सहित सभी पड़ोसी देशोंके साथ शांतिपूर्ण सहयोगी संबंध की आकांक्षा करते हैं। आतंक मुक्त माहौल पर खान ने कहा कि शांति तभी संभव है, यदि कश्मीर जैसे सभी लंबित मुद्दों का समाधान हो जाए।

भारत-पाक आ रहे पास

-सीजफायर पर सहमति बनी और सीमा पर गोलीबारी पूरी तरह से बंद है। जिससे एलओसी पर बसे लोग अब सामान्य जिंदगी जीते नजर आ रहे हैं

-नदी विवाद सुलझाने पर रजामंदी हुई और इसका नतीजा ये हुआ कि दिल्ली में सिंधु नदी विवाद पर भारत और पाकिस्तान के अधिकारी आमने-सामने बैठकर वार्ता की और झगड़े का एक मुद्दा बातचीत की टेबल तक पहुंचा।

-बाजवा की शांति की अपील से एलओसी पर पाक स्पांयर गतिविधियां कम हुईं जिससे दोनों देश आगे बढ़ने के लिए तैयार दिख रहे हैं।

-प्रधानमंत्री की बधाई से नतीजा ये हुआ कि पाकिस्तान पर दबाव बना और इमरान खान ने अपनी तरफ से सुलह का हाथ आगे बढ़ाया। वो ये मान रहे है कि भारत और पाकिस्तान के बीच शांति बहुत जरूरी है।

सीबीआई कोर्ट ने इशरत जहां मुठभेड़ मामले में आरोपी तीन पुलिसकर्मियों को किया आरोप मुक्त

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

सीबीआई की विशेष अदालत ने वर्ष 2004 में इशरत जहां कथित फर्जी मुठभेड़ मामले में आरोपी तीन पुलिस अधिकारियों जीएल सिंघल, तरुण बरोट (अब सेवानिवृत्त) और अनाजू चौधरी कोबुधवार को आरोप मुक्त कर दिया। विशेष सीबीआई न्यायाधीश वीआर रावल ने सिंघल, बरोत और चौधरी के आरोप मुक्त करने के आवेदन को मंजूरी दे दी। अदालत ने टिप्पणी की ,'' सीबीआई ने अनुमति आदेश के खिलाफ कुछ भी विशेष उल्लेख नहीं किया है (जिसमें गुजरात सरकार ने तीनों आरोपियों पर अभियोग चलाने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया) जिससे यह भी माना जाता है कि आवेदक/आरोपी आधिकारिक कर्तव्य का निवर्हन कर रहा था।'' केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 20 मार्च को अदालत को सूचित किया था कि राज्य सरकार ने तीनों आरोपियों के खिलाफ अभियोग चलाने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने अक्टूबर 2020 के आदेश में टिप्पणी की थी उन्होंने (आरोपी पुलिस कर्मियों)'आधिकारिक कर्तव्य के तहत कार्य' किया था, इसलिए एजेंसी को अभियोजन की मंजूरी लेने की जरूरत है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-197 के तहत सरकारी कर्मचारी द्वारा ड्यूटी करने के दौरान किए गए कृत्य के मामले में अभियोग चलाने के लिए सरकार से मंजूरी लेनी होती है। उल्लेखनीय है कि 15 जून 2004 को मुंबई के नजदीक मुम्ब्रा की रहने वाली 19 वर्षीय इशरत जहां गुजरात पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मारी गई थी। इस मुठभेड़ में जावेद शेख उर्फ प्रनेश पिल्लई, अमजदली अकबरली राणा और जीशान जौहर भी मारे गए थे। पुलिस का दावा था कि मुठभेड़ में मारे गए चारों लोग आतंकवादी थे और गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी की हत्या करने की योजना बना रहे थे। हालांकि, उच्च न्यायालय द्वारा गठित विशेष जांच टीम इस निष्कर्ष पर पहुंची की मुठभेड़ फर्जी थी, जिसके बाद सीबीआई ने कई पुलिस कर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस महानिरीक्षक सिंघल, सेवानिवृत्त अधिकारी बरोत एवं जे जी परमार और चौधरी ने अदालत के समक्ष आवेदन दाखिल कर उनके खिलाफ सुनवाई की प्रक्रिया खत्म करने का अनुरोध किया था क्योंकि उनके खिलाफ मामला चलाने के लिए मंजूरी की जरूरत है। मामले की सुनवाई के दौरान परमार की मौत हो गई थी। न्यायाधीश ने बुधवार को कहा कि जब अदालत ने यह टिप्पणी की थी कि यह कृत्य आधिकारिक ड्यूटी करने के दौरान किया गया तब उस आदेश को किसी ने चुनौती नहीं दी। अदालत ने कहा, ''यही नहीं, केंद्र सरकार और गुजरात सरकार भी मानती है कि आवेदकों /आरोपी ने ड्यूटी के दौरान यह कार्य किया इसलिए सरकार के पास मंजूरी के लिए जाना चाहिए और मंजूरी देने से इंकार भी कर दिया गया है।''

अदालत ने आदेश में कहा कि रिकॉर्ड पर कुछ भी नहीं है, यहां तक प्रथमदृष्टया भी यह संकेत नहीं मिलता कि पीड़ित आतंकवादी नहीं थे और खुफिया ब्यूरो की जानकारी सच्ची नहीं थी। फैसले में कहा गया, ''सीबीआई ने भी मंजूरी आदेश के खिलाफ कुछ विशेष उल्लेख नहीं किया है जिससे माना जा सकता है कि आवेदकों/आरोपी ने आधिकारिक ड्यूटी करते हुए यह कार्य किया।'' अदालत ने सीबीआई के विशेष लोक अभियोजक आरसी कोडेकर के इस तर्क को भी स्वीकार करने से इनकार कर दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार द्वारा तीनों आवेदकों के खिलाफ अभियोजन मंजूरी नहीं देने का आदेश आवेदन पर बिना विचार किए दिया गया। उल्लेखनीय है कि सीबीआई ने वर्ष 2013 में दाखिल पहले आरोप पत्र में सात पुलिस अधिकारियों- पीपी पांडेय, डीजी वंजारा, एनके अमीन,

सिंघल, बरोत, परमान और चौधरी को बतौर अभियुक्त नामजद किया था। हालांकि, वर्ष 2019 में सीबीआई की अदालत ने पुलिस अधिकारी वंजारा और अमीन के खिलाफ सुनवाई राज्य सरकार द्वारा अभियोजन मंजूरी नहीं देने पर वापस ले ली थी। इससे पहले 2018 में पूर्व पुलिस महानिदेशक पीपी पांडेय को भी मामले से मुक्त कर दिया गया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)